● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 142, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार, 01 जुलाई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

इस बार बजट में सरकार खोलेगी खजाना 5

टी-20 में विश्व विजेता बनी टीम इंडिया 6

4 महीने बाद पीएम मोदी की मन की बात

पीएम बोले- मां के नाम पर पेड़ लगाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 4 महीने बाद रेडियो प्रोग्राम मन की बात की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव, हूल दिवस, रथयात्रा-अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो, लोकल प्रोडक्ट्स, पर्यावरण दिवस और योग दिवस पर बात की। पीएम ने 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलिंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस बार ओलिंपिक में कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। खिलाड़ी भी अलग लेवल का रोमांच दिखाएंगे।

इससे पहले मन की बात 110वां एपिसोड फरवरी में टेलिकास्ट हुआ था। तब पीएम मोदी ने कहा था कि राजनीतिक मर्यादा के चलते लोकसभा चुनाव के दौरान 3 महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा।

पेरिस ओलिंपिक के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी

देशवासियों और चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि जनता ने संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। आदिवासियों के हूल दिवस पर कहा कि यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के साहस से जुड़ा है इन्होंने विदेशी शासकों का विरोध किया था। साथ ही झारखंड के संथाल परगना से हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों से 1855 में विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठाए थे।

26 जुलाई से शुरू हो पेरिस ओलिंपिक में जाने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। पीएम ने कहा कि हमारे खिलाड़ी टोक्यो ओलिंपिक के बाद से ही तैयारियों में जुटे थे, इसलिए इस बार कुछ चीजें पहली बार देखने मिलेंगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू किए अभियान एक पेड़ मां के नाम का जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है। पिछले दस साल में बढ़े फॉरेस्ट कवर और अमृत महोत्सव के दौरान बनाए गए 60 हजार से ज्यादा सरोवरों की चर्चा की। उन्होंने मां के नाम पर पेड़ लगाने की अपील की। कुवैत सरकार ने नेशनल रेडियो पर हिंदी में एक कार्यक्रम शुरू किया है। कुवैत रेडियो पर हर रविवार आधे घंटे टेलिकास्ट होता है। पीएम ने बताया कि इस प्रोग्राम में भारतीय संस्कृति के अलग-अलग रंग शामिल होते हैं। इसमें भारतीय फिल्मों, कला जगत से जुड़ी चर्चाओं के बारे में बताया जाता है। 21 जून को दुनिया भर में मनाए गए 10वें योग दिवस पर पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि हर साल योग दिवस में नए-नए रिकॉर्ड्स बन रहे हैं। कश्मीर में युवाओं के साथ-साथ बहनों-बेटियों ने भी योग दिवस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था।

आम जन तक पहुँचाएं नए स्वरूप में लागू किए गए कानून की जानकारियाँ: डॉ. यादव

वीडियो कांफ्रेंस द्वारा सभी जिलों को दिए गए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल से देश में गुलामी की निशानियों को समाप्त करने के लिए विभिन्न कार्य हो रहे हैं। इस क्रम में एक जुलाई से देश में अनेक कानून नये स्वरूप में लागू होंगे। दंड के स्थान पर न्याय का महत्व बढ़ें एवं भारतीय नागरिकों को संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हो सके, इस चिंतन से तीन विधेयक निरस्त कर नए दंडनीय विधेयक लाए गए हैं। आम जन तक इनकी जानकारी पहुँचाने के सभी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज वीडियों कान्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजों के समय से चले आ रहे ऐसे विधेयक एवं अधिनियम में भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (1898), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 शामिल हैं। भारतीय दंड संहिता 1860 को भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। दंड प्रक्रिया संहिता 1898 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। इसी तरह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आमजन को विभिन्न सेमीनार और वेबीनार के माध्यम से भी इन कानूनों की जानकारी प्रदान की जाए। अभियान संचालित कर नये कानूनों की जानकारियों को प्रचारित किया जाए।

रियासी आतंकी हमले को लेकर एनआईए का एक्शन

राजौरी की पांच जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली। रियासी आतंकवादी हमले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आज (रविवार) जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में छापेमारी की। इस आतंकी हमले की जांच 15 जून को एनआईए ने अपने हाथ में ली थी। इसी मामले की जांच के लिए एजेंसी ने हाइब्रिड आतंकवादियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स से जुड़े पांच स्थानों पर छापेमारी की।

9 जून को रियासी जिले के पौनी इलाके में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकियों ने हमला किया था। बस शिव खोरी से कटरा जा रही थी। आतंकियों के हमले के बाद बस खाई में जा गिरी थी, जिसमें एक बच्चे समेत नौ लोगों की जान चली गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर आतंकी हमले की जांच एनआईए ने शुरू की। आतंकवादियों के मदद के आरोप में हाकिन दीन को गिरफ्तार किया था। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि हाकिन ने आंतकियों को सुरक्षित स्थान और खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई थी। जांच में आतंकवादियों और ओजीडब्ल्यू के बीच संबंधों की कई चीजें जब्त की गई। एनआईए ने जब्त सामग्री की जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला कि हाकिन दीन ने आतंकवादियों को शरण दी और उनकी गतिविधियों में मदद की। जांच के दौरान हाकिन ने बताया था कि आतंकवादी उसके घर में रुके थे। उसने बताया, आतंकियों ने इस काम के लिए छह हजार रुपये दिए थे।

नीट यूजी के पैटर्न में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अब इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए होने वाले जेईई मेन्स एग्जाम की तर्ज पर नीट में बदलाव किया जा सकता है। नए पैटर्न पर एग्जाम कंडक्ट करने की रिपोर्ट पर फैसला नेशनल मेडिकल कमीशन लेगी। 2019 में स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऑनलाइन एग्जाम कराने से मना कर दिया था इससे पहले 2018 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा था कि मेडिकल एंट्रेंस के लिए होने वाले नीट एग्जाम को साल में 2019 से दो बार ऑनलाइन मोड में कराया जाएगा।

एमव्हीए साथ मिलकर लड़ेगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: शरद पवार

बोले-गठबंधन की छोटी पार्टियों संग आगे बढ़ेंगे, महाराष्ट्र में एनडीए सरकार के 2 साल पूरे

मुंबई। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं। इंडिया ब्लॉक में शामिल कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में भी शामिल हैं। रविवार (30 जून) को एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना और उनकी पार्टी मिलकर इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगी।

पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करें, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे।

वहीं, महाराष्ट्र में एनडीए की महायुति वाली सरकार के 2 साल पूरे होने पर राज्य के सीएम एकनाथ शिंदे पोस्ट शेयर कर खुशी जाहिर की। उन्होंने बालासाहेब ठाकरे का जिक्र किया। पवार ने कहा- विपक्ष महाराष्ट्र के लोगों के सामने एक सामूहिक चेहरा रखेगा। राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसे पूरा करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। शरद पवार ने आगे कहा कि महाभारत में अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख थी, इसलिए हमारी नजरें महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों पर टिकी हैं। कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू होगी।

परिवहन क्षेत्र में सुशासन का महत्वपूर्ण कदम : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के अंतर्गत देश में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इस नाते परिवहन क्षेत्र में मध्यप्रदेश में कुछ बदलाव किए गए हैं। चेक पोस्ट संबंधी नई व्यवस्था शीघ्र लागू की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक जुलाई से परिवहन चेक पोस्ट जो अन्य प्रांतों की सीमा पर वाहनों के आवागमन के संबंध में भूमिका अदा करती हैं वहां संबंधित जिला प्रशासन के साथ तालमेल कर वर्तमान में हो रही अव्यवस्थाओं को दूर करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का कदम उठाया गया है।

साल में दो बार सीबीएसई बोर्ड परीक्षा पर मंजूरी

2025-26 से लागू होगी योजना, सेमेस्टर सिस्टम पर बात नहीं बनी

नई दिल्ली। कक्षा 10 और 12 की साल में दो बार बोर्ड परीक्षा कराने की योजना पर सहमति बन गई है। समूचे सिलेबस की यह परीक्षा जनवरी और अप्रैल में हुआ करेगी। केंद्र अगले सत्र 2025-26 से सीबीएसई में नया पैटर्न लागू करने की तैयारी में है। नए पैटर्न की पहली बोर्ड परीक्षा जनवरी 2026 और इसी सत्र की दूसरी परीक्षा अप्रैल 2026 में होगी।

छात्रों के पास दोनों परीक्षा में शामिल होने का विकल्प होगा। छात्र चाहें तो दोनों या किसी एक परीक्षा में सुविधानुसार बैठ सकेंगे। दोनों परीक्षा देने वाले छात्र बेहतर प्रदर्शन के रिजल्ट का इस्तेमाल कर सकेंगे। मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग ने इस पर देशभर के 10 हजार से अधिक स्कूल प्रिंसिपल के साथ ऑनलाइन और फिजिकल मीटिंग में राय ली है।

उच्च शिक्षा के सेमेस्टर सिस्टम की तरह साल में हर सेमेस्टर के अंत में आधे-आधे सिलेबस की एक परीक्षा ली जाए, जो सितंबर और मार्च में हो।

अभी जिस तरह मार्च-अप्रैल की बोर्ड परीक्षा के बाद जुलाई में सप्लीमेंट्री एग्जाम होते हैं, उस समय सप्लीमेंट्री की जगह पूरी बोर्ड परीक्षा कराई जाए।

केदारनाथ मंदिर के पास एवलांच, झारखंड में निर्माणाधीन पुल गिरा

राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देशभर में जारी बारिश के बीच रविवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के पास एवलांच आया। मंदिर के पीछे पहाड़ी पर सुबह 5 बजे गांधी सरोवर के ऊपर बर्फ का बड़ा हिस्सा सरक गया। हालांकि इसमें जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। इससे पहले उत्तराखंड के हरिद्वार में शनिवार को गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से 8 गाड़ियां बह गई थीं। दूसरी तरफ, झारखंड के गिरिडीह जिले में मानसून की पहली बारिश में ही एक निर्माणाधीन पुल गिर गया। गिरिडीह के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर यह पुल 5.5 करोड़ की लागत से बन रहा था, लेकिन शनिवार को बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया। रविवार को नदी की तेज धारा में पुल का गर्डर टूट कर गिर गया।

आईएमडी ने यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में 2 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट है। अरुणाचल प्रदेश में रेड अलर्ट है। मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 जून से 3 जुलाई के बीच 64.5 से 204.4एमएम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मानसून रविवार (30 जून) को पूरे देश को कवर कर लेगा। शनिवार (29 जून) को मानसून उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आगे बढ़ गया। अब सिर्फ पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी राजस्थान के हिस्से बाकी हैं। आमतौर पर मानसून पूरे देश को 8 जुलाई तक कवर करता है। दो-तीन दिनों से देश के अलग-अलग हिस्सों में मूसलाधार बारिश से बीते गुरुवार (27 जून) तक जून में बारिश की जो 19% कमी थी, वह शनिवार (29 जून) को घटकर 14%रह गई।

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने 30वें आर्मी चीफ का चार्ज लिया

नई दिल्ली। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार (30 जून) को नए आर्मी चीफ का चार्ज संभाला। जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख हैं। वे इसी साल 19 फरवरी को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बने थे। आर्मी चीफ बनने पर द्विवेदी लेफ्टिनेंट जनरल से जनरल रैंक पर प्रमोट हुए हैं।

भारत सरकार ने 11 जून की रात उन्हें आर्मी चीफ बनाने का ऐलान किया था। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, ब्लू इन्फेंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में काम कर चुके हैं। जनरल द्विवेदी ने आर्मी चीफ के तौर पर जनरल मनोज पांडे की जगह ली है। जनरल मनोज पांडे आज ही रिटायर हुए हैं। लास्ट वर्किंग डे पर सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे 26 महीने तक आर्मी चीफ रहे।

रिटायर्ड जनरल मनोज पांडे 31 मई को रिटायर होने वाले थे। हालांकि, सरकार ने पिछले महीने उनका कार्यकाल एक महीने के लिए बढ़ा दिया था।

स्पेस स्टेशन लंबे समय तक रहने के लिए सुरक्षित जगह, वहां फंसना चिंता की बात नहीं: इसरो चीफ

नई दिल्ली। इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन चीफ डॉ एस सोमनाथ ने कहा है कि स्पेस स्टेशन से भारतवंशी सुनीता विलियम्स की वापसी में देरी चिंता की बात नहीं है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन लंबे समय तक लोगों के रहने के लिए एक सुरक्षित जगह है। इसरो चीफ ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा कि यह सिर्फ सुनीता विलियम्स या किसी अन्य अंतरिक्ष यात्री का मामला नहीं है। स्पेस स्टेशन में फंसना या अटक जाना कोई मुद्दा नहीं है, जिस पर चर्चा होनी चाहिए। अभी वहां नौ अंतरिक्ष यात्री हैं। उनमें से सभी फंसे हुए नहीं हैं। एस सोमनाथ ने कहा- सभी अंतरिक्ष यात्री को किसी न किसी दिन वापस आना है। पूरा मामला बोइंग स्टारलाइनर नाम के नए क्रू मॉड्यूल की टेस्टिंग, उसके स्पेस तक जाने और फिर सुरक्षित वापस आने की क्षमता से जुड़ा है।

अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही कार का एक्सीडेंट, 2 की हालत गंभीर

पहले दिन 14 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए

अनंतनाग। अमरनाथ यात्रा का आज (30 जून) दूसरा दिन है। 6 हजार 619 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था रविवार को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। इस बीच, यात्रियों को ले जा रही एक कार का रविवार को पहलगाम के पास चंदनवाड़ी में एक्सीडेंट हो गया। इसमें दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान झारखंड के विजय मंडल और गुरवा देवी के रूप में हुई है। बीएसएफ ने दोनों के इलाज के लिए डीआरडीओ अस्पताल ले आई। इसके बाद उन्हें अनंतनाग के जीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दोनों की हालत गंभीर बताई गई है।

रविवार को निकले तीसरे जत्थे में में 1141 महिलाएं शामिल हैं। ये सभी सुबह 3:50 बजे, 319 गाड़ियों से रवाना हुए। अबतक 3838 यात्री चंदनवाड़ी, पहलगाम रूट से जबकि 2781 यात्री बालटाल रूट से हिम-शिवलिंग के दर्शन करने निकले हैं। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए हर साल होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा शनिवार (29 जून) से शुरू हो गई। पहले दिन 14 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 52 दिन की यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी।

यात्रा अनंतनाग में पारंपरिक 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल में 14 किलोमीटर छोटे, लेकिन कठिन बालटाल मार्ग से गुजरेगी। अनंतनाग जिले में 3 हजार 880 मीटर ऊंचाई पर स्थित बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है : शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री ने ग्रामीणों के साथ सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

सिहोर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने जिले के ग्राम कुलांस कला में ग्राम वासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सुनी।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। पूरे विश्व में देश का सम्मान बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे यह दायित्व सौंपा है कि मैं किसानों के कल्याण के लिए कार्य करूं, जोकि मैं पूरी लगन से करूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए अनेक कार्य पहले से ही चल रहे हैं। आगे भी किसानों के हित में कई फैसले किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाना है और लागत कम करना है, इसके लिए नई किस्म के अधिक उत्पादन करने वाले बीज तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों का सही दाम मिले इसके लिए एमएसपी बढ़ाई जा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि सभी लाडली बहनों को लखपति बनाने का दायित्व भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे सौंपा है। उन्होंने कहा कि स्वयंसहायता समूहों के माध्यम से बहनों को अलग-अलग कामों की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वह स्वयं का कार्य शुरू कर सकेंगी। इसके लिए उन्हें सरकार द्वारा बैंक से धनराशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहली कैबिनेट की बैठक में ये फैसला लिया है कि गरीबों के लिए दो करोड़ आवास और बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वयं एवं धरती को बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी से एक पेड़ मां के नाम लागाने का आवाह्न किया है। उन्होंने कहा कि अपने देश, राज्य, गांव को नशामुक्त बनाने एवं स्वच्छ बनाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि सरकार आम नागरिकों की हर क्षेत्र में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के साथ ही जिले के विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम कुलांस कला में कृषि विभाग द्वारा लगाई गई कृषि आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा ड्रोन से संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी ली और उनका उत्साहवर्धन किया।

जिले में सक्रिय हुआ मानसून, झूम के बरसे बदरा

इस बार सिंगरौली में 1.52 लाख हेक्टेयर में की जाएगी खेती

सिंगरौली। जिले में मानसून सक्रिय होने से खरीफ सीजन की बोनी करने के लिए किसान भी तैयारी में जुट गए हैं। वही कृषि विभाग भी खाद, बीज का स्टॉक भरपूर मात्रा में करने में लगा हुआ है, ताकि खेतों में बोनी के लिए किसानों को खाद-बीज की कमी न होने पाए। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि धान, अरहर, मक्का, कोदो, कुटकी, मूंग, उड़द आदि फसलों का अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करना है तो किसान समय पर खेतों की बोनी करें। समय पर बोनी करने के साथ कम से कम मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग किए जाने की सलाह किसानों को दी जा रही है।

गौरतलब है कि जिले में इस साल खरीफ सीजन के लिए 1 लाख 58 हजार हेक्टेयर जमीन में बोनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खरीफ सीजन के समय जिले के ज्यादातर किसान धान की खेती करते थे, लेकिन अब किसानों को मोटे अनाज जैसे मक्का, उड़द, मूंग, अरहर, कोदो-कुटकी आदि फसलों की अधिक बोनी करने की सालाह दी जा रही है। चूंकि मोटे धान की अपेक्षा मोटे अनाज की कीमत अधिक मिलती है इसलिए जिले के किसान भी धीरे-धीरे मोटे अनाजों की बोनी करने के लिए आगे आ रहे हैं। खास बात यह है कि चितरंगी, गढ़वा, सरई, देवसर, माड़ा आदि जगहों की जमीन मोटे अनाज उत्पादन के लिए ठीक मानी जाती है। यही वजह है कि हर साल मोटे अनाज की खेती का रकबा जिले में बढ़ रहा है।जिले में पिछले साल की तुलना में इस साल खरीफ सीजन की बोनी के रकबे में बढ़ोत्तरी की गई है। पिछले साल जहां 1 लाख 48 हजार हेक्टेयर में खरीफ सीजन की फसलों की बोनी की गई थी, वही इस साल बढ़ाकर 1 लाख 52 हजार हेक्टेयर कर दिया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धान का रकबा 88 हजार हेक्टेयर, मक्का का रकबा 15 हजार हेक्टेयर, कोदो-कुटकी का रकबा 13 हजार हेक्टेयर, तिल का रकबा 14 हजार हेक्टेयर निर्धारित किया गया है। वहीं मूंग, उड़द और अरहर के लिए भी अलग-अलग रकबा निर्धारित किया गया है। जानकारी मे बताया गया कि कुछ किसान अधिक उत्पादन पाने के लिए खाद और उर्वरकों का अधिक उपयोग करते हैं। उर्वरकों का अधिक उपयोग करने से किसानों को भले ही थोड़ा अधिक उत्पादन कुछ समय के लिए मिल जाता हो लेकिन अधिक उर्वरकों का उपयोग करने से मिट्टी खराब होती है। मिट्टी में जो सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं, उनमें कमी आ जाती है और जमीन धीरे-धीरे बंजर हो जाती है लिहाजा किसानों को सलाह दी जा रही है कि यूरिया, डीएपी सहित अन्य रासायनिक उर्वरकों का उपयोग खेतों में जरुरत के हिसाब से ही करें।

धान सहित अन्य दलहनी फसलों की खेती करने वाले किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सलाह दी गई है। अगर किसान एक एकड़ की जमीन में धान का रोपा लगाना चाहते हैं तो एक एकड़ की जमीन में सौ किलो यूरिया, 1 बोरी डीएपी, 15 किलो पोटाश, 5 किलो जिंक डालने की सलाह दी गई है। दलहनी फसलों की बोनी एक एकड़ जमीन में करनी है तो 30 किलो नाइट्रोजन, एक बोरी डीएपी, 20 किलो पोटास, 5 किलो सल्फर का उपयोग किए जाने की सलाह दी गई है।

बीज के अच्छी किस्म का करें चयन

जिले के कृषि अधिकारी आशीष पांडेय ने खरीफ सीजन की बोनी करने वाले किसानों को कुछ सलाह दी है। उनका कहना है कि पहली बरसात होने पर किसान खेतों की अच्छे से जुताई करवा लें, खेतों में मौजूद खरपतवार को निकाल दें, अधिक उत्पादन पाने के लिए जल्दी बोनी करें, दलहन तिलहन की फसल ऊंचे स्थान वाले खेतों में करें। बीज के अच्छी किस्म का चयन करें, मिट्टी का परीक्षण कराएं, खेतों में संतुलित उर्वरकों का उपयोग करें, धान की बोनी करने के पहले खेतों में कुछ दिनों तक बरसात के पानी को रोक कर रखें। खेती में आधुनिक तकनीक का उपयोग करें।

कलेक्टर के निर्देश खाद-बीज की नहीं होगी कमी

खरीफ सीजन में किसानों को बोनी करने के लिए खाद-बीज की कमी न होने पाए, इसके लिए गत दिनों कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में उपलब्ध स्टॉक की जानकारी ली है। कलेक्टर के निर्देश पर डीएपी और यूरिया खाद और मंगाई जा रही है। जिले में 18 सौ एनपीके कॉम्प्लेक्स, 9 सौ क्विंटल डीएपी, 36 सौ क्विंटल यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। किसानों को खाद- बीज की कमी न हो, इसके लिए कुछ बीज के किट भी मंगाए जा रहे हैं।

दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं रस में संकीर्तन, बैढ़न में 1 से 11 जुलाई तक

सिंगरौली। सुश्री धामेश्वरी देवी जी द्वारा दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं संकीर्तन 1 जुलाई से 11 जुलाई तक किया जाएगा। उक्त दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं रस में संकीर्तन कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी 30 जून रविवार को दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं रसमय संकीर्तन जगतदुरूतम श्री कृपालु जी महाराज की प्रचारिका सुश्री धामेश्वरी देवी जी द्वारा हर्रई में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। आध्यात्मिक प्रवचन एवं रसमय में संकीर्तन दिनांक 1 जुलाई से 11 जुलाई 2024 तक शाम 7ः00 बजे से 9ः00 बजे तक सामुदायिक भवन बैढ़न जिला न्यायालय के पास में आयोजन किया जाएगा। सुश्री धामेश्वरी देवी जी बचपन से ही कृष्ण भक्ति में प्रवृत्त है। 16 वर्ष की आयु से ही जगतगुरु श्री कपालु जी महाराज के चरणारविंद की गुरुत्तर की सेवा में तत्पर है। उनकी आज्ञा पाकर उड़ीसा के कटक शहर की उत्कल यूनिवर्सिटी से बनी बिहार एवं संस्कृति कर भगवन्नान प्रचार में संलग्न हैं ।उनकी तेजस्वी वाणी युक्त प्रवचन, वेद उपनिषद श्रीमद् भागवतम, भगवत गीता, रामायण एवं अन्य धर्म ग्रंथो तथा पाश्चात दर्शनों के प्रमाणों से युक्त होगा। देवी जी के प्रवचन द्वारा अपने जीवन को भगवन्यमय बनाएं । धर्म प्रेमी बंधु समय पर आकर प्रवचन का श्रवण कर इस स्वर्णिम अवसर का पूर्ण लाभ उठाएं एवं मनुष्य जीवन को सार्थक करें। इस अवसर पर पत्रकार बंधुओ सहित कई गणमान्य भक्त मौजूद रहें।

खेत की जुताई करने जा रहा ट्रैक्टर बाइक सवार को रौंदा, इलाज के दौरान हुई मौत

सिंगरौली। खेत की जुताई करने जा रहा ट्रैक्टर बाइक सवार को रोक दिया वहीं इलाज के दौरान बाइक सवार युवक की मौत हो गई आप सभी को बता दे कि यह घटना आज सुबह 9ः00 बजे की है जहां अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को रोक दिया जिसकी वजह से युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक या हादसा सिंगरौली के सरई की बताई जा रही है, जहां ट्रैक्टर खेत जुताई करने जा रहा था तभी अंधा मोड़ होने के कारण तेज रफ्तार टेक्ट्र हुआ अनियंत्रित हो गया और निजी क्लिनिक के सामने खड़े बाइक एवं बाइक के पास खड़े एक व्यक्ति को अनियंत्रित ट्रैक्टर ने रौंद दिया, जिसकी वजह से युवक की मौत इलाज के दौरान हो गई वहीं मृतक की पहचान राज लाल पनिका 45 वर्षीय निवासी ओवरी बताया जा रहा है।मिली जानकारी के मुताबिक मृतक युवक निजी क्लिनिक में इलाज कराने आया हुआ था यह पूरी घटना तिनगुड़ी चौकी अंतर्गत ओवरी गांव की है, फिलहाल मौके पर पुलिस पहुंचकर पूरी घटना की जांच कर रही है।

ओबी कंपनी कलिंगा में चल रही मनमानी, एनसीएल प्रबंधन का संरक्षण

झिंगुरदह में नही है डीजल स्टोरेज का लाईसेंस! फिर भी हो रहा स्टोरेज, सरकार को करोड़ों चूना

सिंगरौली। एनसीएल परियोजना में कार्यरत ओबी कंपनी कलिंगा कार्पोरेशन एमपी सरकार को राजस्व क्षति पहुंचाने में कोई कोर कसर नही छोड़ रही है। महीने में अकेले कलिंगा कंपनी प्रदेश सरकार को कई करोड़ की चपत पहुंचा रही है। आलम यह है कि ओबी कंपनी कलिंगा का झिंगुरदह परियोजना में डीजल स्टोरेज का लाईसेंस नही है। फिर यह डीजल अमलोरी से झिंगुरदह में कैसे पहुंच रहा है।

गौरतलब है कि एनसीएल परियोजना के ओबी कंपनियां डीजल में व्यापक पैमाने पर खेला कर रही है। यूपी से डीजल सस्ता खरीदकर मध्यप्रदेश सरकार को राजस्व क्षति जमकर पहुंचा रही है। आलम यह है कि पिछले वर्ष अक्टूबर महीने में ओबी कंपनी कलिंगा कार्पोरेशन अमलोरी परियोजना में आई है। तब से डीजल का बड़ा खेल कर रही है। आरोप है कि अप्रैल महीना में कलिंगा कंपनी अमलोरी परियोजना में डीजल स्टोरेज के लिए लाईसेंस हासिल कर ली। लेकिन इसके पहले इस परियोजना के ओबी कंपनी में डीजल कैसे पहुंच रहा था। यह अपने आप में बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा हो रहा है। सूत्रों की बात यदि माने तो कलिंगा कंपनी यूपी के मुगल सराय से डीजल परिवहन कर रहा है। जबकि एनसीएल एवं ओबी कंपनी कलिंगा के बीच हुये एनआईटी के एग्रीमेंट के अनुसार स्थानीय फिलिंग स्टेशनों से क्रय करने का है। किन्तु मोटी रकम प्रति लीटर करीब 7 रूपये बचाने के चक्कर में स्थानीय एमपी के सिंगरौली से डीजल खरीदी करना उचित नही समझा। यदि डीजल सिंगरौली जिले से डीजल का क्रय करते तो प्रदेश सरकार को जीएसटी के रूप में महीने में लाखों-करोड़ों रूपये का मुनाफा होता। किन्तु कंपनी अपने खुद के मुनाफा कमाने के चक्कर में प्रदेश सरकार को करोड़ों रूपये का घाटा पहुंचाने कही से कोई कोर कसर नही छोड़ रही है। वही हैरानी की बात है कि झिंगुरदह परियोजना में कलिंगा कंपनी को डीजल स्टोरेज का लाईसेंस नही मिला है। सूत्र बताते है कि मुगल सराय से आने वाला डीजल अमलोरी परियोजना से पहुंच झिंगुरदह में खपा दिया जा रहा है। यह अनुमति किसने दिया है। इस पर भी तरह-तरह की चर्चाएं छिड़ गई हैं।

मोरवा में नापी को लेकर सिंगरौली के लोगों में आक्रोश

व्यापारियों ने आमसभा कर इसका विरोध करने की अपील

सिंगरौली। भारत सरकार द्वारा एनसीएल की जयंत एवं दूधीचूहा खदान के विस्तार के लिए फरवरी माह में ही धारा 9 लगा दी गई थी। इसके तुरंत बाद ड्रोन सर्वे कर यहां के निर्माण का जायजा ले लिया गया था। इसके बाद से ग्राम मढौली, चटका, झिंनगुदह, पंजरेह एवं चुरिदाह की करीब 1485 हेक्टेयर भूमि के अधिकरण के लिए 1 जुलाई से भूमि और संपत्ति का भौतिक सर्वेक्षण एनसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन व टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान(ञ्ञद्बस्स्) की संयुक्त टीम द्वारा आरंभ किए जाने की सूचना समाचार पत्र के माध्यम से दे दी गई थी। जिसके मुताबिक आगामी 6 महीने में इन क्षेत्रों का नापी का कार्य पूर्ण किया जाना है। अब इसे लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। रविवार शाम सिंगरौली फल मंडी के समीप एक आम सभा कर व्यापारियों ने स्थानीय लोगों से कल से शुरू होने जा रहे सर्वे का विरोध करने की अपील की है। उनकी मांग है कि एनसीएल प्रबंधन ने उनकी 24 सूत्री मांग पत्र पर अभी तक कोई जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं पुनर्वास स्थल और संपत्ति व जमीन के मुआवजे का रेट भी लोगों को नहीं बताया गया है। ऐसे में औने पौने दाम देकर एनसीएल प्रबंधन अपना पल्ला झाड़ना चाहता है। पूर्व में भी मढौली वार्ड क्रमांक 10 के विस्तार के लिए एनसीएल प्रबंधन ने ऐसा ही रुक अख्तियार किया था।

सिंगरौली कलेक्टर ने जारी किया फरमान, जिले में रेत उत्खनन पर लगाई गई रोक

सिंगरौली। जिले में रेत उत्खनन पर रोक लगा दी गई है कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि सिंगरौली जिले में 1 जुलाई से रेत उत्खनन नहीं होगा हालांकि सिंगरौली जिले में रेत का अवैध कारोबार जोर-शोर से होता है अब कलेक्टर के इस आदेश के बाद यह देखना होगा कि खनन माफिया पर इस आदेश का असर होता है या नहीं। सिंगरौली कलेक्टर ने अपने आदेश में लिख कि भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सस्टनेबल सेन्ड माइनिंग मैनेजमेन्ट गाइड लाइन्स 2016 जारी की गई है।

नशे के विरूद्ध अभियान में चितरंगी पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में व अति. पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी चितरंगी आशीष जैन के सतत निगरानी में चलाये जा रहे नशे के विरूध्द अभियान के तहत दिनांक 29/06/2024 को अवैध शराब बिक्री करने की मुखबिर सूचना पर चितरंगी पुलिस टीम ग्राम धबई पहुंची तब पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगा पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को पकडा गया। जिसका नाम पता पूछा गया जो अपना नाम इन्द्रजीत साहू पिता रामसजीवन साहू उम्र 24 वर्ष सा. धवई थाना चितरंगी जिला सिगरौली (म.प्र.) का होना बताया। मुखबिर के बताये अनुसार तलासी ली गई आरोपी के कब्जे से 7 कार्टून में देशी प्लेन मदिरा (330 पाव कीमती 23,100 रूपये) बरामद हुई। आरोपी इन्द्रजीत साहू पिता रामसजीवन साहू उम्र 24 वर्ष सा. धवई थाना चितरंगी द्वारा शराब बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात प्रस्तुत नही करने पर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर अपराध धारा कायम की जाकर आरोपी की माननीय न्यायालय जे. आर. पर भेजा गया। कारवाही मे उनि. बीपी कोल, उमेश तिवारी, राममिलन तिवारी, प्रआर लक्ष्मीकान्त मिश्रा, मआर प्रतिमा टोप्पो की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सरई का किया गया वार्षिक निरीक्षण

सिंगरौली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा सिंगरौली द्वारा थाना सरई का वार्षिक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई का निरिक्षण किया गया व साफ-सफाई संबंधी आवश्यक निर्देश दिये गये। इसके बाद थाने का मालखाना, शस्त्रागार, रिकार्ड रूम , हवालात आदि को चेक किया गया एवं निरीक्षण के दौरान थाना में संधारित होने वाले रजिस्टरों को चेक किया गया व रजिस्टर संधारण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। थाने में आने वाले फरियादियो के साथ अच्छा व्यवहार किया जाये व उनकी शिकायतो को सुना जा कर उचित वैधानिक कार्यवाही की जाये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त स्टाप की गुजारिस सुनी गई। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी सरई शिव प्रताप सिंह व अन्य पुलिस स्टाप उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

उड़न दस्ते गठित कर वाहनों की सघन जांच कराएं : मुख्यमंत्री

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरे प्रदेश में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। अभियान के दौरान 3885 नए जल स्रोतों का विकास किया गया है इसके साथ-साथ 21577 जल स्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है ।इनमें 5677 बावड़ी तथा 13000 से अधिक तालाबों में साफ सफाई और जल संरक्षण का कार्य शामिल है ।जल संवर्धन के जो कार्य जारी हैं उन्हें अधिक बरसात होने से पहले पूरा कर ले। जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान एक दिन का नहीं है इसके लिए हमें सतत प्रयास करने होंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान में आम जनता ने बहुत अच्छा सहयोग दिया है। जन सहयोग से इस अभियान को हम लगातार जारी रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने वृक्षारोपण का आह्वान किया है। हर जिले में पूरी कार्य योजना बनाकर पौधों की सुरक्षा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करते हुए वृक्षारोपण कराएं। हर जिले में स्मृति वनों का निर्माण कर के उसमें आम जनता से उनके पूर्वजों की स्मृति में पौधा रोपण कराये। पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अनिवार्य है। हर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करें और उसकी देखभाल करें ।वन विभाग भी खाली पड़ी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में 1 जुलाई से तीन नए कानून लागू किया जा रहे हैं। इनमें भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर नए कानून का निर्माण किया गया है। पुलिस अधिकारियों राजस्व अधिकारियों को नए कानून के संबंध में प्रभावी प्रशिक्षण दें ।आम जनता को नए कानून तथा उनकी धाराओं की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चलाएं ।मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के सभी चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं ।अब जिले में प्रवेश करने के बाद वाहनों की जांच की जाएगी ।इसके लिए 211 होमगार्ड परिवहन विभाग को प्रदान कर दिए गए हैं। प्रत्येक जिले में उड़न दस्ते गठित करके वाहनों की जांच कराएं ।ओवरलोड वाहनों तथा अन्य अनियमिता करने पर कड़ी कार्रवाई करें ।प्रदेश भर में स्कूल शुरू हो गए हैं। सभी कलेक्टर स्कूल बसों की सघन जांच कराएं ।बसों में सुरक्षा उपायों तथा किसी भी तरह की कमी होने पर कड़ी कार्रवाई करें ।बैठक में अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वन विभाग 82806 हेक्टेयर में 5 करोड़ 39 लाख पौधे रोपित करेगा ।इसके लिए प्रत्येक जिले में प्रारंभिक तैयारी कर ली गई है। वृक्षारोपण के लिए 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इंदौर में 45 लाख पौधे रोपित करने की तैयारी कर दी गई है। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।कलेक्ट्रेट कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता, वन मण्डल अधिकारी अखिल बंसल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर अरविंद झा, आयुक्त नगर निगम डी.के शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, डीपीएम राजेश गुप्ता, जिला परिवनह अधिकारी बिक्रम सिंह राठौर, सहायक आयुक्त जन जाति कार्य विभाग संजय खेडकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एन.के जैन, अधीक्षण यंत्री विद्युत आरपी मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह, डीपीसी आर.एल शुक्ला, लोक सेवा प्रबंधक रमेश पटेल, कार्यपालन यंत्री प्रदीप चौरसिया, व्हीपी उपाध्याय, उप संचालक पिछड़ा वर्ग योगेन्द्र राज सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान सफल रहा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

सीधी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरे प्रदेश में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। अभियान के दौरान 3885 नए जल स्रोतों का विकास किया गया है इसके साथ-साथ 21577 जल स्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है। इनमें 5677 बावड़ी तथा 13000 से अधिक तालाबों में साफ सफाई और जल संरक्षण का कार्य शामिल है। जल संवर्धन के जो कार्य जारी हैं उन्हें अधिक बरसात होने से पहले पूरा कर लें। जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान एक दिन का नहीं है इसके लिए हमें सतत प्रयास करने होंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान में आम जनता ने बहुत अच्छा सहयोग दिया है। जन सहयोग से इस अभियान को हम लगातार जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने वृक्षारोपण का आह्वान किया है। हर जिले में पूरी कार्य योजना बनाकर पौधों की सुरक्षा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करते हुए वृक्षारोपण कराएं। हर जिले में स्मृति वनों का निर्माण कर के उसमें आम जनता से उनके पूर्वजों की स्मृति में पौधे लगाएं। पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अनिवार्य है। हर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करें और उसकी देखभाल करें। वन विभाग भी खाली पड़ी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में 1 जुलाई से तीन नए कानून लागू किया जा रहे हैं। इनमें भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर नए कानून का निर्माण किया गया है। पुलिस अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों को नए कानून के संबंध में प्रभावी प्रशिक्षण दें ।आम जनता को नए कानून तथा उनकी धाराओं की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के सभी चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं। अब जिले में प्रवेश करने के बाद वाहनों की जांच की जाएगी। इसके लिए 211 होमगार्ड परिवहन विभाग को प्रदान कर दिए गए हैं। प्रत्येक जिले में उड़न दस्ते गठित करके वाहनों की जांच कराएं। ओवरलोड वाहनों तथा अन्य अनियमिता करने पर कड़ी कार्रवाई करें। प्रदेश भर में स्कूल शुरू हो गए हैं। सभी कलेक्टर स्कूल बसों की सघन जांच कराएं। बसों में सुरक्षा उपायों तथा किसी भी तरह की कमी होने पर कड़ी कार्रवाई करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वन विभाग 82806 हेक्टेयर में 5 करोड़ 39 लाख पौधे रोपित करेगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में प्रारंभिक तैयारी कर ली गई है। वृक्षारोपण के लिए 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इंदौर में 45 लाख पौधे रोपित करने की तैयारी कर दी गई है। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एनआईसी केंद्र सीधी से कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, वनमंडलाधिकारी श्री क्षितिज कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राहुल धोटे, अपर कलेक्टर श्री राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास श्री नीलेश शर्मा, कुसमी श्री एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय में 1 जुलाई से दीक्षारंभ समारोह

सीधी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस-संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में सत्र 2024-25 स्नातक बीए, बीएससी, बीकॉम एवं स्नातकोत्तर की समस्त कक्षाओं के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह का आयोजन दिनांक 1 जुलाई 2024 से 3 जुलाई 2024 तक आयोजित होना है। जिसमें सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय में दिनांक 1 जुलाई को सुबह 9 बजे महाविद्यालय में उपस्थित होकर पंजीयन करवाना होगा, जिसके लिए सभी छात्र-छात्राएं अपने साथ प्रवेश रसीद लेकर अनिवार्य रूप से उपस्थित हो। तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य नव प्रवेशत छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक, कार्यालयीन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से परिचित करवाना है। तीन दिवसीय वृहद कार्यक्रम में 1 जुलाई को पंजीयन एवं उद्घाटन सत्र महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम में होने के बाद परिसर भ्रमण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं परीक्षा प्रणाली की जानकारी तथा वरिष्ठ छात्रों से परिचय कार्यक्रम होगा। 2 जुलाई को शैक्षणिक गतिविधियों जैसे 75 प्रतिशत उपस्थित, सीसीई, प्रोजेक्ट, प्रैक्टिकल, छात्रवृत्ति, पाठ्यक्रम, प्रयोगशाला, प्रोजेक्टर अवलोकन, कैरियर मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट, इनक्यूबेशन सेंटर, एनसीसी एनएसएस, स्पोर्ट्स इत्यादि की जानकारी प्रदान की जाएगी। 3 जुलाई को छात्रावास, बस परिवहन, सूचना का अधिकार एवं अनुसंधान संबंधी जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के अंत में नव प्रवेशित छात्रों का टैलेंट शो भी होगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन समारोह संपन्न होगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी.के. सिंह ने महाविद्यालय के समस्त नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं से अपील की है कि दिनांक 1 जुलाई को प्रात: 8.30 बजे महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा कर दीक्षारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हों। सभी विद्यार्थी पंजीयन हेतु अपनी शुल्क रसीद साथ में आवश्यक रूप से लाएं।

विद्युत पेंशन की बैठक जबलपुर में आयोजित

सीधी। विद्युत पेंशन हित रक्षक संघ की प्रदेश कार्यकारिणी की विशेष बैठक जबलपुर में आयोजित की गई है जिसमें संगठन की गतिविधियों पर मंथन व अनुमोदन पेंशनर्स की प्रमुख मांगों की पूर्ति में विलंब विभिन्न प्रकरणों में विचाराधीन न्यायालय विधिक कार्यवाहियां संगठन के भावी कार्यक्रम के रूपरेखा पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए जाएंगे साथ ही सभी विद्युत कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से पेंशनर्स की समस्याओं तथा मांगों पर चर्चा हेतु बैठक की जाएगी तथा संगठन के अधिवक्ताओं से से मुलाकात कर इंक्रीमेंट संबंधी प्रकरण मे कंटेंप्ट आप कोर्ट एवं कॉम्प्यूटेशन रिकवरी पीरियड रिड्यूस करने की रिट याचिका को अंतिम रूप दिया जाएगा जिसमें दिनांक 5 जुलाई एवं 6 जुलाई को प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष आर.डी. मिश्रा प्रांतीय महासचिव सुनील भार्गव प्रांतीय उपाध्यक्ष बी.एल. पटेल एवं भीमसेन सिंह प्रांतीय संगठन सचिव एस.एन. पटेल एवं के.एन. दुबे प्रांतीय कोषाध्यक्ष डी.के. भोपाल शाखा अध्यक्ष के.के. मनवार जबलपुर क्षेत्र शाखा के संरक्षक पी.एस. माथारू सहित अन्य पदाधिकारी उपरोक्त कार्यक्रमों में शामिल होंगे यह जानकारी सुनील भार्गव प्रांतीय सचिव विद्युत पेंशनर हित रक्षक संघ भोपाल की है।

सीमांकन के लिए विशेष अभियान में किए गए 1050 सीमांकन

अपर कलेक्टर सहित राजस्व अधिकारियों ने किया अवलोकन

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए जिले में सीमांकन का विशेष अभियान चलाया गया। विशेष अभियान के तहत जिले में 1050 सीमांकन किए गए। अपर कलेक्टर राजेश शाही सहित उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार द्वारा अभियान की सतत निगरानी की गई तथा मौके पर जाकर सीमांकन का अवलोकन भी किया गया। विशेष अभियान के तहत तहसील गोपद बनास में 299, चुरहट में 153, रामपुर नैकिन में 202, बहरी में 103, सिहावल में 101, मझौली में 109, मड़वास में 41 एवं कुसमी में 42 सीमांकन किए गए। विशेष अभियान के लिए तहसीलवार राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों के 119 संयुक्त दल गठित किये गये थे। तहसील गोपद बनास में 28, चुरहट में 12, रामपुर नैकिन में 17, बहरी में 23, सिहावल में 16, मझौली में 8, मड़वास में 5 एवं कुसमी में 10 दलों द्वारा सीमांकन किया गया। अपर कलेक्टर राजेश शाही ने बताया कि अभियान के दौरान सीमांकन के अधिकतम प्रकरणों के प्रयास किए गए। सभी दलों द्वारा सुबह से ही सीमांकन का कार्य शुरू कर दिया गया था। लंबित प्रकरणों के निराकरण से जिले की राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रगति में सुधार होगा। किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए इसी प्रकार के प्रयास सतत रूप से जारी रहेंगे। अपर कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया है कि सभी दल सीमांकन संबंधी अपनी रिपोर्ट समय-सीमा में प्रस्तुत करेंगे तथा पीठासीन अधिकारी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

जिले में औसत वर्षा 36.3 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा कुसमी में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 29 जून को सीधी जिले में 0.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 2.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 0.0 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 36.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 29 जून तक तहसील कुसमी में सर्वाधिक वर्षा 68 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 40.1, चुरहट में 5.0, गोपद बनास में 35.0, सिहावल में 6.4, बहरी में 38.8 मझौली 61.0 मि.मी. और कुसमी में 68.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 49.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 61.9 मि.मी. औसत वर्षा कम हुई है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना, भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना

सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

सीधी। कार्यपालन अधिकारी जिला अन्त्यावसायी सह.वि.स. ने जानकारी देकर बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वरोजगार योजना अन्तर्गत म.प्र. अनुसूचित जाति राज्य सहकारी वित्त एवं विकास निगम भोपाल के द्वारा जिले को लक्ष्य पूर्ति किये जाने हेतु पत्र जारी किया है। दिनांक 25.06.2024 को डी.एल.सी.सी. की बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के द्वारा यह निर्देश दिये गये है कि स्वरोजगार योजना मे प्राप्त लक्ष्यारूप स्वीकृतध्वितरण किये जाने हेतु योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाना है व लक्ष्य के अनुरूप हितग्राहियों का सम्बधित बैंको में आवेदन कराकर स्वीकृत व वितरण का कार्य शत प्रतिशत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। अनु.जाति हितग्राहियों को सूचित किया गया है कि जो व्यक्ति व्यवसाय करना चाहते है वह समस्त पोर्टल एम.पी. आनलाईन के माध्यम से जिले के किसी भी कियोस्क सेंटर से स्वरोजगार हेतु आवेदन किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित जिला सीधी मे सम्पर्क कर सकते हैं।

योजनाओं की जानकारी

संत रविदास स्वरोजगार योजना - ऐसे अनुसूचित जाति के सदस्य जिनकी उम्र 18 से 45 साल के मध्य हो परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास उत्तीर्ण हो, योजनान्तर्गत 01 लाख से 50 लाख की परियोजनाओं के लिये बैंकों के माध्यम से ऋण लिया जा सकता है। भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना - ऐसे अनुसूचित जाति के सदस्य जो आयकर दाता न हो, जिनकी उम्र 18 से 55 साल के मध्य हो उन्हें सभी प्रकार के स्वरोजगार गतिविधियो हेतु राशि रूपये 10 हजार से 1 लाख तक की परियोजनाओ के लिये बैंको के माध्यम से ऋण लिया जा सकता है।

सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजना - योजना अन्तर्गत समूह की महिला सदस्य अनुसूचित जाति वर्ग से हो (सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाणपत्र सलग्न करना अनिवार्य होगा)। सदस्य की आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। समूह के सदस्य की वार्षिक आय शहरी क्षेत्र में रूपये 55 हजार तथा ग्रामीण क्षेत्र मे रूपये 40 हजार से अधिक नहीं होनी चाहिये अथवा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले प्रमाण पत्र धारी योजना का लाभ लेने के लिये पात्र है। एक परिवार से एक ही सदस्य इस योजना का पात्र होगा। योजनाओं हेतु आवश्यक दस्तावेज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की कापी, कोटेशन, परियोजना प्रतिवेदन आवश्यक है।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए लाभकारी : डॉ राजेश

जिले भर में उत्साह के साथ सुनी गई मन की बात: देव कुमार

सीधी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम जिले भर में सुनी गई। ग्राम बैरिहा पश्चिम में लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के पश्चात सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए लाभकारी है। इसे सुनने के पश्चात देश के कोने-कोने में हो रहे, अच्छे कार्यक्रमों की जानकारी मिलती है। जिसके कारण हमारा आत्म बल बढ़ता है। वही अध्यक्षीय उद्बोधन मे भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम जिले के 1035 बूथो पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। सभी मतदान केन्द्रो पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ो लोग शामिल हुए हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष के के तिवारी, जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ देवेंद्र त्रिपाठी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के पश्चात देशव्यापी चलाए जा रहे अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत सांसद डॉ राजेश मिश्रा और भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने सैकड़ो साथियों के साथ मिलकर अनेक छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया और सभी से अपील की कि सभी लोग अपनी अपनी मां के नाम एक-एक पौधा अनिवार्य रूप से आरोपित करें।

भाजपा अजा मोर्चा द्वारा मन की बात का लाइव प्रसारण सुना गया

सीधी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव के निर्देशानुसार तथा भाजपा जिला अध्यक्ष सीधी देव कुमार सिंह के मार्गदर्शन और भाजपा अजा मोर्चा सीधी जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में सीधी जिला के सभी मंडलों में मन की बात का लाइव प्रसारण सुना गया। इसी तारतम्य में भाजपा नगर मंडल सीधी के अर्जुन नगर वार्ड क्रमांक 12 के शक्ति केंद्र क्रमांक 04 बूथ क्रमांक 234 में नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का 111वां एपिसोड सुना गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य, जिला महामंत्री श्यामसुंदर दास, जिला मीडिया प्रभारी अजा मोर्चा गुरु प्रसाद मौर्या, नगर मंडल अध्यक्ष अजा मोर्चा मुन्ना साकेत, नगर महामंत्री अजा मोर्चा छोटेलाल कोरी, बूथ अध्यक्ष मोतीलाल कोरी, रामाधार कोरी रमेश कोरी, रामनाथ कोरी, देवेंद्र,कोरी, रजनीश कोरी, गोपाल कोरी, कौशिल्या कोरी आदि बूथ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टोल प्लाजा में सहकार कंपनी के गुर्गों की दादागीरी

अवैध वसूली का विरोध करने पर दी जाती हैं धमकी

सीधी। नेशनल हाईवे क्रमांक-39 में शहर के समीप संचालित टोल प्लाजा की जिम्मेदारी सहकार ग्लोबल कंपनी को मिल जाने के बाद से उसके गुर्गों द्वारा जमकर गुंडागिरी शुरू कर दी गई है। यह कंपनी सीधी जिले के समीपी शहडोल एवं सिंगरौली में मनमानी तरीके से रेत खदानों के संचालन को लेकर ही अभी तक काफी सुर्खियों में बनी हुई थी। हालात यह है कि यहां शासन के नियमों की बजाय अपने नियमों का पालन कराया जा रहा है। यदि कोई वाहन चालक इसका विरोध करे तो उसके साथ दुर्व्यवहार एवं ऊंची पहुंच की धमकी देना शुरू कर दिया जाता है। कई वाहन चालकों ने अपनी शिकायत में बताया कि ग्लोबल सहकार कंपनी के गुर्गों की बढ़ती गुंडागीरी के चलते वाहनों का यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। कंपनी को सोनवर्षा टोल प्लाजा की जिम्मेदारी मिलने के बाद उसके द्वारा बाहर से लाए गए अपने गुर्गों को तैनात कर दिया गया है। इनके द्वारा अवैध वसूली के लिए तरह-तरह के नियम बनाए गए हैं। जिन मालवाहकों से मुंह मांगी सुविधा शुल्क मिल जाती है उनको टोल प्लाजा में बनाए गए बैरियर के साइड से गुजरने की छूट दे दी जाती है। इसी वजह से रेत परिवहन में लगे अधिकांश हाईवा अब मुख्य टोल प्लाजा से निकलने की बजाय साइड में दो पहिया वाहनों के लिए बनाए गए रास्ते से बेरोंकटोक निकल रहे हैं। इस तरह के सबसे ज्यादा मामले रात में रेत परिवहन में लगे वाहनों के सामने आ रहे हैं। दो पहिया वाहनों के रास्ते से रेत से लोड़ हाईवा के गुजरने का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि रात में दो पहिया वाहनों की लेन से रेत से लोड हाईवा को निकाला जा रहा है। ऐसे में स्पष्ट है कि यहां तैनात गुर्गे केवल वाहनों से अवैध वसूली करने में ही अपना ज्यादा ध्यान केंद्रित किए हुए है। उनकी इस मनमानी से शासन को भी रोजाना भारी-भरकम राजस्व की चपत लग रही है। यह राशि सीधे यहां तैनात गुर्गों की जेब में जा रही है। अवैध वसूली को लेकर यहां टोल प्लाजा में विवाद के मामले भी लगातार बढ़ रहे है। जिसके चलते जमोड़ी थाना पुलिस भी काफी ज्यादा परेशान है। ऐसा शायद ही कोई दिन गुजरता हो जब टोल प्लाजा में गुंडागीरी की शिकायत जमोड़ी थाना पुलिस को न मिलती हो। इसी वजह से टोल प्लाजा के संचालन को लेकर बढ़ती मनमानी से पुलिस भी काफी परेशान है। कई बार पुलिस की चेतावनी के बाद यहां तैनात गुर्गों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। खासतौर से मालवाहकों से टोल के नाम पर इतनी ज्यादा राशि मांगी जा रही है कि वाहन मालिक भी काफी त्रस्त हो चुके हैं।

क्षेत्रीय वाहन मालिकों से भी हो रही टोल वसूली

टोल प्लाजा संचालन का नियम है कि जिस क्षेत्र में यह स्थापित होता है उसके आठ किलोमीटर परिधि में रहने वाले वाहन मालिकों से टोल की वसूली नहीं की जाती। बावजूद इसके सोनवर्षा टोल प्लाजा के संचालन की जिम्मेदारी जब से सहकार ग्लोबल कंपनी को मिली है। उसके गुर्गों द्वारा इस नियम को मानने से साफ-तौर पर इंकार किया जा रहा है। उनका कहना है कि टोल प्लाजा के बगल में रहने वाले वाहन मालिक का भी यहां टोल वसूली होगी। ठेका लेने वाली कंपनी केवल अपना व्यवसाय देखती है। टोल प्लाजा वसूली में यदि छूट दी जाएगी तो कंपनी पूरी तरह से कंगाल हो जाएगी। ऐसे में टोल प्लाजा से गुजरने वाले सभी वाहनों को टोल चुकता करना होगा। इसके बाद ही यहां से वाहन गुजरेंगे। कंपनी के गुर्गों की इसी तानाशाही की वजह से क्षेत्रीय वाहन मालिक भी काफी त्रस्त हो चुके हैं। उनके द्वारा नियमों के बावजूद अवैध टोल वसूली की लगातार शिकायतें पुलिस के पास की जा रही हैं। जिसके चलते जमोड़ी थाना पुलिस को भी लगातार यहां हस्तक्षेप नियमों को लेकर करना पड़ रहा है। सोनवर्षा टोल प्लाजा में मनमानी टोल वसूली के चलते पुलिस की परेशानी भी काफी बढ़ गई है। ग्लोबल सहकार कंपनी का रसूख इतना ज्यादा है कि जिम्मेदार अधिकारी नियमों का पालन कराने को लेकर अभी तक कोई हस्ताक्षेप करते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में किसी भी दिन यहां अवैध टोल वसूली को लेकर बड़ी घटना सामने आ सकती है।

इनका कहना है

सोनवर्षा टोल प्लाजा में वाहन चालकों के साथ विवाद करने को लेकर लगातार शिकायतें जमोड़ी थाना में पहुंच रही हैं। जिसको लेकर कई बार समझाईस भी दी गई। फिर भी इस तरह के मामले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। जमोड़ी थाना पुलिस द्वारा अब समझाईस के बाद कड़ी कार्यवाही भी आगे करने वाली है।

विशाल शर्मा, थाना प्रभारी जमोड़ी

संपादकीय

स्मार्टफोन में उलझे इंसान में घर कर रही सुस्ती की बीमारी

जब किसी व्यक्ति को सुस्त देखा जाता है, तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है या फिर वह आलसी है। मगर यह इसलिए भी संभव है कि उसकी सक्रियता में कई वजहों से कमी आ रही हो और उसका कारण कोई शारीरिक बीमारी नहीं हो। हालांकि बीमारी की वजह से अगर सक्रियता में कमी आती है तो यह भी सही है कि सक्रियता में कमी से शरीर में बीमारी घर बनाती है। विडंबना यह है कि वक्त के साथ विस्तृत होते दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता में तेजी से कमी आई है।' द लांसेट ग्लोबल हेल्थ ' जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह उजागर हुआ है कि सन 2022 में भारत की सत्तावन फीसद महिलाएं शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं थीं, जबकि पुरुषों में यह दर बयालीस फीसद थी। अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर मौजूदा परिपाटी जारी रही तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़ कर साठ फीसद तक पहुंच जाएगी।अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी देश की साठ फीसद आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में वहां आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। आमतौर पर अधिक आबादी वाले देशों में रोजी-रोटी का मसला इस तरह जटिल होता है कि ज्यादातर लोगों को जीवन चलाने के लिए शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहना पड़ता है। सवाल है कि आखिर भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बडी तादाद में लोग सुस्त होते जा रहे हैं!विचित्र यह भी है कि लोगों की व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे तमाम लोग है, जिनका आधे घंटे का कोई काम टलता रहता है, मगर रोजाना वे पांच या सात घंटे या इससे ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों पर, सोशल मीडिया या अन्य आभासी मंचों पर बर्बाद करते है। महामारी के दौरान घर से काम करने की व्यवस्था जब चलन में आई थी, उसने भी लोगों के ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई।

शरीर और सेहत के साथ दिमाग को भी प्रभावित करती है गर्मी, इंसान को बना देती है आक्रामक

दुनिया के हर कोने में गर्मी एक बार फिर अपना कहर बरसा रही है। भारत के कम गर्म वाले इलाकों में भी आग बरस रही है, सऊदी अरब के मक्का और मदीना में गर्मी की वजह से सड़कों पर लाशें बिखरी नजर आ रही हैं। गर्मी की वजह से बरस रहे इस कहर ने लोगों को इसके प्रभाव पर गौर करने पर मजबूर कर दिया है। गर्म मौसम में अगर सही से ध्यान नहीं रखा जाए तो शरीर और सेहत दोनों ख़राब हो जाती है। गर्मियों में दिल के दौरे, हीट स्ट्रोक और मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। शरीर और सेहत के साथ भीषण गर्मी दिमाग पर भी बहुत बुरा प्रभाव डालती है। ये हमें चिड़चिड़ा और आक्रामक बनाती है।

(एकता)

गर्म मौसम में अगर सही से ध्यान नहीं रखा जाए तो शरीर और सेहत दोनों ख़राब हो जाती है। गर्मियों में दिल के दौरे, हीट स्ट्रोक और मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। शरीर और सेहत के साथ भीषण गर्मी दिमाग पर भी बहुत बुरा प्रभाव डालती है। ये हमें चिड़चिड़ा और आक्रामक बनाती है।

गर्मी का मौसम सिर्फ शरीर को ही नहीं बल्कि हमारे दिमाग को भी कई तरीके से प्रभावित करता है। गर्म दिनों में हमारा दिमाग अन्य मौसम की तुलना में अधिक आक्रामक महसूस करता है। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि हाल ही में सामने आए एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है। शोध के अनुसार, गर्मियों के दिनों में हत्याएं, हमले और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ जाते हैं।

दुनिया के हर कोने में गर्मी एक बार फिर अपना कहर बरसा रही है। भारत के कम गर्म वाले इलाकों में भी आग बरस रही है, सऊदी अरब के मक्का और मदीना में गर्मी की वजह से सड़कों पर लाशें बिखरी नजर आ रही हैं। गर्मी की वजह से बरस रहे इस कहर ने लोगों को इसके प्रभाव पर गौर करने पर मजबूर कर दिया है। गर्म मौसम में अगर सही से ध्यान नहीं रखा जाए तो शरीर और सेहत दोनों ख़राब हो जाती है। गर्मियों में दिल के दौरे, हीट स्ट्रोक और मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। शरीर और सेहत के साथ भीषण गर्मी दिमाग पर भी बहुत बुरा प्रभाव डालती है। ये हमें चिड़चिड़ा और आक्रामक बनाती है।

गर्मी हमें आक्रामक क्यों बनाती है?

शोधकर्ताओं ने सबसे पहले अपराध डेटा को देखकर गर्मी और आक्रामकता के बीच संबंध की खोज की, जिसमें पाया गया कि गर्म दिनों में हत्याएं, हमले और घरेलू हिंसा के मामले अधिक होते हैं। यह संबंध अहिंसक कृत्यों पर भी लागू होता है। जब तापमान बढ़ता है, तो लोगों के ऑनलाइन अभद्र भाषा बोलने और ट्रैफ़िक में अपने हॉर्न बजाने की संभावना बढ़ जाती है।

2019 के एक प्रयोग किया गया, जिसमें कुछ लोगों को गर्म और कुछ लोगों को ठंडे कमरे में बैठकर वीडियो गेम खेलने के लिए बोला गया। इस प्रयोग में पता चला कि जो लोग गर्म कमरे में बैठकर वीडियो गेम रहे थे वह ठंडे कमरे वाले लोगों की तुलना में अधिक आक्रामक थे। वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की सहायक प्रोफेसर किम्बर्ली मीडेनबॉयर का मानना ??है कि बिना सोचे-समझे कार्य करने की आपकी प्रवृत्ति, या खुद को एक निश्चित तरीके से कार्य करने से रोक न पाना, ये चीजें भी गर्मी से प्रभावित होती हैं।

बोस्टन के छात्रों पर शोध में क्या पता चला?

जुलाई 2016 में, बोस्टन में ऐसी गर्मी पड़ी थी कि लगातार पांच दिनों तक दिन का तापमान औसतन 92 डिग्री पर पहुंच गया था। कुछ छात्र जो सेंट्रल एयर कंडीशनिंग वाले छात्रावासों में रह रहे थे वह तो इस भीषण गर्मी के प्रकोप से बच गए। लेकिन जो छात्र बिना एसी वाले पुराने छात्रावासों में फंसे हुए थे उनका हाल बुरा हो गया था। ऐसे में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ता जोस गुइलेर्मो सेडेनो लॉरिंट ने इस बात का फायदा उठाया और ये जानने की कोशिश की कि भीषण गर्मी कैसे युवाओं के दिमाग पर असर डालती है।

उन्होंने 44 छात्रों को अपने शोध में शामिल किया, जिन्हें उन्होंने तापमान बढ़ने से पांच दिन पहले, पांच दिन के दौरान और इसके दो दिन के बाद तक गणित और आत्म-नियंत्रण परीक्षण करवाए। रटगर्स यूनिवर्सिटी में पर्यावरण और व्यावसायिक स्वास्थ्य और न्याय के सहायक प्रोफेसर सेडेनो ने बताया कि हममें से कई लोग सोचते हैं कि हम गर्मी से प्रतिरक्षित हैं। इसलिए मैं यह जांचना चाहता था कि क्या यह वास्तव में सच है।

इस शोध में पता चला कि युवा और स्वस्थ कॉलेज के छात्र गर्मी के बढ़ते तापमान से प्रभावित होते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि बिना एयर-कंडीशन वाले छात्रावासों में रहने वाले छात्र एसी वाले छात्रों की तुलना में हर सुबह दिए जाने वाले टेस्ट में काफी खराब प्रदर्शन करते थे। बता दें, बिना एयर-कंडीशन वाले छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के कमरे का तापमान रात को औसतन 79 डिग्री होता था।

आखिर हर मानसून में देश की राजधानी दिल्ली इस तरह से क्यों डूब जाती है?

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दरिया बनने की वजह सीधे तौर पर ड्रेनेज ड्रेनेज सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और उसका सही तरीके से देखभाल का नहीं होना भी है। गाद या सिल्ट की वजह से मौजूदा सीवेज सिस्टम जाम हो जाता है। सीवर मैनहोल हर बार बारिश में ओवरफ्लो हो जाता है। पाइपलाइन की मोटाई कहीं जायदा या कम को लेकर लगभग 6 इंच की औसतन है लेकिन अधिकतर पाइपलाइन पुरानी हो चुकी हैं। ये डैमेज होने पर रिपेयर की जाती हैं। एक आंकड़े के मुताबिक दिल्ली का इंफ्रा 50 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं झेल सकता है।

(पुष्पेंद्र कुमार)

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का हाल एक ही दिन की बारिश में बेहाल हो गया है। कई जगहों पर सड़कों और मोहल्लों में पानी भर गया जबकि अभी पूरा मॉनसून बाकी है। सड़क पर पानी जमा होने की वजह से ट्रैफिक जाम भी हो गया। इससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी भी हुई। इस बारिश ने दिल्ली सरकार की बारिश के पानी से निपटने के दावों की पोल खोलकर रख दी है। आखिर क्या वजह है कि हर साल बारिश के मौसम में कुछ घंटों की बारिश में ही दिल्ली डूब जाती है। यह सवाल तो आपके मन में उठता ही होगा।

ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी- देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दरिया बनने की वजह सीधे तौर पर ड्रेनेज ड्रेनेज सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और उसका सही तरीके से देखभाल का नहीं होना भी है। गाद या सिल्ट की वजह से मौजूदा सीवेज सिस्टम जाम हो जाता है। सीवर मैनहोल हर बार बारिश में ओवरफ्लो हो जाता है। पाइपलाइन की मोटाई कहीं जायदा या कम को लेकर लगभग 6 इंच की औसतन है लेकिन अधिकतर पाइपलाइन पुरानी हो चुकी हैं। ये

डैमेज होने पर रिपेयर की जाती हैं। एक आंकड़े के मुताबिक दिल्ली का इंफ्रा 50 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं झेल सकता है।

सड़कों के डिजाइन में कमी- राजधानी दिल्ली में जलभराव का एक कारण यहां की सड़कों के डिजाइन का भी है। कई मेन सड़कों और नालियों के ढलान में भी गड़बड़ी है। राजधानी में कुछ स्लिप सड़कों को सही तरीके से डिजाइन नहीं किया गया है। इसके अलावा निचले इलाकों में ड्रेनेज सिस्टम खराब होने की वजह से सड़कों पर पूरी तरह से पानी भर जाता है। इसके अलावा सफाई करने वाले कर्मचारी उस तरफ कचरा छोड़ देते हैं जो बारिश होने पर नालियों के अंदर बह जाता है।

दिल्ली में कितने नाले- अब अगर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नालों की बात की जाए तो यहां पर चार फीट से ऊपर के 713 नाले हैं। वहीं, चार फीट से नीचे के 21 नाले हैं। इन नालों में सफाई करने का काम भी दो चरणों में किया जाता है। पहला चरण में मानसून से पहले इन नालों को पूरी तरह से साफ किया जाता है। वहीं, दूसरे चरण जब शुरू होता है जब मानसून विदा होता है। निगम की तरफ से दावे किए जा रहे हैं कि चार फीट से ऊपर के नालों की सफाई का काम करीब 93 फीसदी से ज्यादा हो गया है। वहीं,चार फीट से कम हाईट वाले नालों की सफाई का काम भी करीब 85 फीसदी के आसपास हो गया है। इतनी सफाई के बाद भी अब केवल एक ही सवाल ऊठ रहा है कि आखिर दिल्ली पानी-पानी क्यों हुई। यह सिर्फ कागजों में ही तो साफ नहीं हुई है।

बारिश के बाद जागी सरकार- आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार बारिश के बाद जागी है। आप सरकार ने कहा कि 1936 के बाद पहली बार, दिल्ली में 24 घंटे में 228 एमएम बारिश हो गई है, यानी दिल्ली में मानसून के कुल बारिश (800 एमएम) की 25 फीसदी बारिश सिर्फ 24 घंटे में हो गई है। इसी कारण कई इलाकों में रेन ओवरफ्लों हुआ है और बारिश का पानी निकालने में समय लगा।

दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्रियों ने जलभराव की स्थिति और आगे की रणनीति पर इमरजेंसी मीटिंग बुलाई, जिसमें जलभराव से लड़ने के लिए जरूरी फैसले लिए गए हैं। इनमें कहा गया कि ?सभी विभाग आज रात तक अपने स्हड्डह्लद्बष्ठ और मोबाइल वाटर पंप का जायजा लेकर सुनिश्चित करेंगे की सभी पम्प पानी निकालने को तैयार है। ?हर विभाग क्विक रिस्पांस टीम बनाकर, जमीनी स्तर पर जलजमाव दूर करने के लिए तैनात रहेंगे।

वर्ग पहेली 5417

1		2	3	■	4		5
	■	6				■	
■	7			■	8	9	■
10		■	■	11	■	12	
13		■	14		15		■
16				■	17		18
■		■	19	20	■	21	
■	■	22	■	23		■	

संकेत: बाएं से दाएं

1. 14 अगस्त इस पडोसी देश का स्वाधीनता दिवस है (4)
4. उत्तरप्रदेश की लोकसभा की इस सीट से स्मृति ईरानी सांसद है (3)
6. दूल्हा -दुल्हन (4)
7. दस्तावेज लिखित, कमलबंद (3)
8. अगर, जो (2)
10. आपत्ति, आक्रमण (2)
12. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु, अनुमेय (2)
13. अधिकार, स्वामित्व, इख्तियार (2)
14. शान-शौकत (4)
16. मक्खन, माखन (4)
17. मुगलकाल में प्रवेश का प्रधानशासक यह कहलाता था (3)
19. दिनांक, तारीख (2)
21. घोड़े कीपीठ पर रखने की गद्दी (2)
22. गेंहू की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)
23. लहू, रूधिर (2)

ऊपर से नीचे

1. कुंती का एकनाम पृथा भी था इनके पुत्र युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन ये तीनों को यह कहा जाता है पर अधिकतर अर्जुन के लिए यह कहा जाता है (2)
2. स्तुति वादक को यह भी कहा जाता है (3)
3. नरम होने की अवस्था, अनैतिक (3)
4. न्याय के विरूद्ध कार्य, अनैतिक (3)
5. उपयुक्त, युक्ति संगत, मनोनुकुल (2)
7. तंत्र-मंत्र विधि से बनाय यंत्र (5)
9. मैत्री, दोस्ती, सान्तना, ढाढ़स (5)
10. रहने का तरीका या ढंग, गिरवी रखना (3)
11. समय, बेला (2)
14. फैलाव या तनाव होने की स्थिति यह भी कहलाती है (3)
15. आदत, जड़हन के खेत मे रोपी हुई धान की जूरी, समुद्र में ऊंची उठती लहर (2)
18. निर्मित या रचित होना, अस्तित्व प्रदान होना, काम के योगय होना (3)
20. गतिहीन, स्थितर, अचल, न डिगने वाला (2)

वर्ग पहेली 5416 का हल

त	स	ली	मा	न	स	री	न
ब	न	ना	■	ज	ल	ज	■
ला	म	■	सा	फ	■	न	न
■	क	बी	र	■	मा	ल	वा
उ	दा	र	■	आ	शा	■	ब
मा	■	ब	द	न	■	रो	जा
प	ह	ल	■	बा	ग	■	दा
ति	ल	■	जी	न	त	■	■

जितना डर से निकलेंगे, उतना बेहतर जीवन जिएंगे

(सुंदरचंद ठाकुर)

कहते हैं, शुतुरमुर्ग खतरों से बचने के लिए अपना सिर रेत में छुपा लेता है। मगर, क्या ऐसा करने से वह सचमुच खतरे से बच सकता है? नहीं। बल्कि, इस तरह वह खुद को और भी अधिक खतरे में डाल देता है। इसी तरह, हम इंसान भी जब अपने डर से मुंह मोड़ते हैं, तो हम उन्हें और भी बड़ा बना देते हैं।

क्या आपने शहरों में जिस ओर से गाड़ियां आ रही हैं, उसकी दूसरी ओर मुंह करके लोगों को सड़क पार करते देखा है? जरूर देखा होगा। वे दूसरी ओर मुंह कर लेते हैं ताकि पहली ओर से आ रही गाड़ी से टकरा न जाएं। अमूमन वे बाल-बाल बचते हैं। गाड़ियों के ड्राइवर अपनी कुशलता से इन्हें बचाते हैं पर जाते-जाते दो-चार गालियां जरूर इनकी ओर उछाल जाते हैं। काम ही ऐसा है। अब इन्हें कौन बताए कि डर का सामना करना ही उसका असली समाधान है। जब हम अपने डर का सामना करते हैं, तो हमें पता चलता है कि वह उतना भयानक नहीं है जितना हमने सोच रखा था। डर को नजरअंदाज करना या उससे भागना उसे और मजबूत बनाता है।

डर को समझें- डर से बचने के लिए सबसे पहले उसे समझना जरूरी है। डर एक प्राकृतिक भावना है, जो हमें सचेत करती है और हमें सावधान बनाती है। यह हमारे सुरक्षा तंत्र का हिस्सा है। मगर, जब हम अपने डर से भागते हैं, तो यह और भी बढ़ता जाता है। जैसे, अगर किसी को अंधेरे का डर है और वह हमेशा अंधेरे से बचने की कोशिश करता है, तो उसका डर और भी गहरा होता जाएगा। लेकिन अगर वह धीरे-धीरे अंधेरे में रहने की कोशिश करता है, तो वह महसूस करेगा कि अंधेरे में भी कोई खतरा नहीं है। डर का सामना करने के लिए सबसे पहले हमें उसे समझना होगा। हमें यह जानना होगा कि हमारा डर कहां से आ रहा है और उसके पीछे का असली कारण क्या है। जब हम अपने डर को समझते हैं, तो हम उसे नियंत्रित करने और उसका सामना करने में सक्षम होते हैं।

खुद पर विश्वास करें- डर के सामने खड़े होकर हम अपने आत्म-विश्वास को बढ़ाते हैं। हमें लगता है कि हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं। यह हमारे मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आत्म-विश्वास हमें मुश्किल समय में भी सकारात्मक रहने में मदद करता है। आत्म-विश्वास से भरा व्यक्ति जीवन में किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार रहता है। वह अपने डर से नहीं डरता, बल्कि उसे एक अवसर के रूप में देखता है। डर का सामना करने से हमें अपनी क्षमताओं पर विश्वास होता है और हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और भी दृढ़ निश्चय से भर जाते हैं।

नई संभावनाओं की खोज- डर का सामना करने से हमें अपने भीतर छिपी नई संभावनाओं का पता चलता है। हमें अपने अंदर की शक्तियों का एहसास होता है और उनके इस्तेमाल से हम नई ऊँचाइयों को छूने में सक्षम होते हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन खुशनमा है और आप आप जनता के प्रिय बनेंगे। आपमें एक विशेष आकर्षण रहेगा। जमीन जायदाद से संबंधित मामलों में फैसला आपके पक्ष में आएगा। पिता के आशीर्वाद से शासन द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना है। शाम को आपके लिए कुछ शारीरिक कष्ट बढ सकते है और आपको डॉक ?टर के चक ?कर लगाने पड़ सकते हैं।

वृषभ

आज लाभ का दिन है और कार्यक्षेत्र में आपको सफलता प्राप ?त होगी और आपके सुख में वृद्धि होगी। आपके अन्दर निर्भीकता का भाव रहेगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। आप निर्भीकता से अपने कार्य पूर्ण करें तो आपको लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ आज बहुत मधुर संबंध रहेंगे। अच्छे वाहन द्वारा यात्रा होगी।

मिथुन

आज करियर के मामले में दिन लाभ से भरा होगा। इस बात का पूरा ध्यान रखें कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए। आप किसी प्रकार की औपचारिकता में बिल्कुल भी न उलझें तो आपके लिए अच ?छा होगा। जो चाहिए, बेहिचक कह दें तो आपके सुकून मिलेगा।

कर्क

आज दिन काफी परेशानी से भरा होगा। आप अपने स्वभाव के प्रति गंभीर रहें और कड़ी मेहनत से ही आपको सफलता प्राप ?त होगी। भौतिक सुख साधनों पर खर्च होगा और आपको आज आराम करने के अवसर प्राप ?त होंगे। खुशमिजाज व्यक्ति होने के कारण दूसरे लोग के साथ अपने संबंध बेहतर करेंगे।

सिंह

आज सुख समृद्धि में वृद्धि होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपका अधिक समय धार्मिक कार्य में बीतेगा और मन प्रसन ?न रहेगा। आत्मविश्वास के बल पर किए गए प्रयास सफल होंगे और भाग ?य आपका साथ देगा। पुराने रुके हुए कार्य थोड़ा खर्च करने से बन सकते हैं। नई योजनाओं पर काम करेंगे।

कन्या

आज भाग्य की दृष्टि से आपका दिन अच्छा रहेगा। यदि पिछले दिनों से शरीर में चला आ रहा कोई रोग दूर होगा। उसमें सुधार होगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। आपको आर्थिक मामलों में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम रखें और आपको अपनी कार्यकुशलता से सर्वत्र विजय मिलेगी।

तुला

आज करियर के मामले में भाग ?य का साथ मिल रहा है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा। शिक्षा की दिशा में आपकी रुचि बढ़ेगी और योजनाएं सफल होंगी। आपको नये कार्य सीखने को मिलेंगे और भाग ?य भी आपका साथ देगा। अपनी बातों को सत्य साबित करने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक

आज दिन परेशानियों से भरा होगा। आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी। संतान द्वारा किए श्रेष्ठ कार्य से आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त कर लेंगे और आपको सुख प्राप ?त होगा। शाम से लेकर रात तक प्रिय व्यक्तियों के दर्शन से मन प्रफुल्लित होगा।

धनु

आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं। विद्या बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी। आपको शासन द्वारा सम्मानित किये जाने की प्रबल संभावना है। धार्मिक अनुष्ठानों पर समय व्यतीत होगा। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी। आपके परिवार में किसी मित्र के आने से आपका खर्च और काम दोनों बढ़ सकते हैं।

मकर

आज दिन लाभ से भरा होगा। आपको कहीं से रुका धन मिलने की संभावना है। धर्म कर्म के मामले में आपकी रुचि बढ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह न दें उस पर उल्टा ही असर होगा। रात के वक ?त आपका मन पुण्य कार्य में लगेगा। इससे आपका मन शांत और प्रसन ?न रहेगा। आपके सुख में वृद्धि होगी और कार्य संपन ?न होंगे।

कुंभ

आज भाग ?य साथ देगा और कारोबार में आपके शत प्रतिशत प्रयास सफल होंगे और आपके धन में वृद्धि होगी। आपके धन कोष में वृद्धि होगी। भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको हर क्षेत्र में लाभ की प्राप्ति होगी। आपको मित्रों का सहयोग मिलेगा एवं नए अच्छे मित्र भी मिलेंगे। आपके सम ?मान में वृद्धि होगी और भाग ?य भी साथ देगा।

मीन

आज संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में लोग आपकी चुगली कर सकते हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहें। वरना लेने के देने पड़ सकते हैं। आपकी राशि का स्वामी आपके लिए अनुकूल है। अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्तिभाव पूर्ण रखें।

संक्षिप्त समाचार

हम 100 में से 75 नंबर लाए, वो 25 में खुद को पास बता रहे- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि हमें 100 में 85 नंबरों की उम्मीद थी, हालांकि 75 आए और वो 25 में फेल होकर भी खुश ऐसे हैं मानो जीत गए। शाह ने कहा कि अकेले भाजपा को चुनाव में पूरे इंडिया ब्लॉक के बराबर सीटें मिली हैं। शाह ने कहा कि आगामी हरियाणा चुनाव में भाजपा अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और दावा किया कि वे लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे। अमित शाह हरियाणा के पंचकूला में भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव मौजूद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह ने दावा किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा इस साल अक्टूबर से पहले होने वाले राज्य चुनावों के लिए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी सूत्रों ने शाह के हवाले से बताया कि बैठक में उन्होंने कहा कि पार्टी को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोगों में भ्रम फैलाकर लोकसभा चुनाव में अपनी हार को छिपाने की कोशिश कर रही है। शाह ने कहा, हमें 100 में से 85 अंकों की उम्मीद थी, लेकिन 75 अंक ही मिल पाए और कांग्रेसी हमें फेल कह रहे हैं। उन्हें सिर्फ 25 अंक मिले और वे खुद को पास कह रहे हैं। वे (कांग्रेस) फेल होने के बाद भी खुद को पास कह रहे हैं। अकेले भाजपा को पूरे इंडिया ब्लॉक जितनी सीटें मिली हैं। अमित शाह ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और दीपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हरियाणा में अब 'तारा, सितारा' नहीं चलेगा। सोनिया का आंखों का तारा (राहुल गांधी) और भूपेंद्र हुड्डा साहब का सितारा (दीपेंद्र हुड्डा)। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में अमित शाह ने राज्य की 10 लोकसभा सीटों में से पांच पर बीजेपी की हार का जिक्र नहीं किया। हालांकि,ऐसी जानकारी है कि शाह ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बैठक में कहा कि पार्टी तीन लोकसभा सीटों- अंबाला, सोनीपत और हिसार में बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, जहां पार्टी कांग्रेस से हार गई।

मनोज कुमार सिंह यूपी के नए मुख्य सचिव बने, दुर्गा शंकर मिश्रा को नहीं मिला चौथा सेवा विस्तार

लखनउ, एजेंसी। 1988 बैच के आईएएस अफसर मनोज कुमार सिंह यूपी के नए मुख्य सचिव बनाया गया। दुर्गा शंकर मिश्रा को चौथी बार सेवा विस्तार नहीं मिला। सीएम योगी ने दुर्गा शंकर मिश्रा का कार्यकाल खत्म होने पर निर्णय लिया है। मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव और आईआईडीसी दोनों होंगे। इसके लेकर आदेश जारी हो गया है। मनोज सिंह आज दोपहर बाद मुख्य सचिव पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। दरअसल, 1984 बैच के आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल रविवार को समाप्त हो रहा है। दुर्गा शंकर मिश्र को दिसंबर 2021 में सेवानिवृत्त से ठीक पहले उन्हें सेवा विस्तार देते हुए उत्तर प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया। इसके बाद दिसंबर 2022 में उन्हें दोबारा एक साल का सेवा विस्तार मिला। दिसंबर 2023 में जब उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा था। तब भी उन्हें लोकसभा चुनावों के मद्देनजर छह माह का सेवा विस्तार दिया गया। अब उन्हें चौथा सेवा विस्तार नहीं पाया और शासन ने आईएएस मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव की जिम्मेदारी सौंप दी। मूल रूप से झारखंड की राजधानी रांची शहर के रहने वाले आईएएस मनोज कुमार सिंह की गिनती राज्य के असरदार नौकरशाहों में होती रही है। आईएएस मनोज कुमार सिंह के पास मौजूदा समय में कई अहम विभागों की जिम्मेदारी है। अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज और उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण की भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। शासन की कई योजनाओं को जमीन पर उतारने में उनकी अहम भूमिका रही है। ऐसे में मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव को बनाया गया है।

कांग्रेस केवल अराजकता और भ्रम फैलाना चाहती है : शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान

नईदिल्ली, एजेंसी। नीट के मुद्दे को लेकर विपक्ष के निशाने पर बने शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधान ने नीट समेत प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस पर निशाना साधा है। प्रधान ने कहा कि कांग्रेस चर्चा नहीं चाहती है। वह केवल अराजकता और भ्रम फैलाना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने स्वंय उस मुद्दे को संबोधित किया है जिस पर कांग्रेस बहस करना चाहती है। इस क्षेत्र में हुई कमियों और चुनौतियों की जांच चल रही है। लेकिन इस पर विरोध प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा। प्रधान ने कहा कि सरकार की ओर से मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि हम किसी भी तरह की चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर बात नहीं करना चाहती, छात्र इस मुद्दे पर क्या चाहते हैं इस पर बात नहीं करना चाहती वह बस इस मुद्दे का राजनीतिकरण करना चाहते हैं। ऐसे मुद्दे 2014 के पहले भी हुए हैं, लेकिन मैं इसको उचित नहीं ठहरा सकता। प्रधान ने जोर देकर अपनी बात रखते हुए कहा कि एनटीए को इसरो के पूर्व अध्यक्ष के राधाकृष्णन के रूप में नया नेतृत्व मिला है। एनटीए में सुधार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हमने इस मुद्दे के समाधान के लिए एक नया कानून बनाया है, और पूरा मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है।

जनता के संदेश को समझ नहीं रहे मोदी, उपाध्यक्ष पद भी नहीं दिया- सोनिया गांधी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव में जनादेश के संदेश की अनदेखी कर रहे हैं और टकराव को महत्व देना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ऐसे पेश आ रहे हैं कि मानो कुछ बदला ही नहीं है। उन्होंने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' में लिखे लेख में यह आरोप भी लगाया कि लोकसभा में 1975 के आपातकाल की निंदा की गई ताकि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर मोदी सरकार के हमले से ध्यान हटाया जा सके। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, ''4 जून, 2024 को हमारे देश के मतदाताओं ने अपना फैसला स्पष्ट और जोरदार तरीके से सुनाया। यह उस प्रधानमंत्री के लिए व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार का संकेत है, जिन्होंने चुनाव अभियान के दौरान खुद को दैवीय दर्जा दिया था।''

उन्होंने दावा किया कि इस जनादेश ने न केवल इस तरह के दिखावों को नकार दिया, बल्कि यह विभाजन, कलह और नफरत की राजनीति की स्पष्ट अस्वीकृति थी तथा नरेन्द्र मोदी के शासन के कामकाज और शैली दोनों को खारिज किया जाना था।'' सोनिया गांधी ने कहा, ''फिर भी, प्रधानमंत्री ऐसे पेश आ रहे हैं जैसे कि कुछ भी नहीं बदला है। वह आम सहमति के मूल्यों के बारे में उपदेश देते हैं लेकिन टकराव को महत्व देना जारी रखते हैं। इस बात का जरा भी प्रमाण नहीं मिलता है कि उन्होंने चुनावी नतीजे को समझ लिया है या करोड़ों मतदाताओं द्वारा उन्हें भेजे गए संदेश पर कोई विचार किया है।

उन्होंने कहा, ''पाठकों को याद दिलाना चाहूंगी कि जब उनके दूतों ने अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति की मांग की थी तो 'इंडिया' गठबंधन की पार्टियों ने प्रधानमंत्री से क्या कहा था...हमने कहा कि हम सरकार का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा को ध्यान में रखते हुए यह उचित था और उम्मीद की जा सकती थी कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष के किसी सदस्य को दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''और फिर, प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी द्वारा आपातकाल की निंदा की गई - आश्चर्यजनक रूप से लोकसभा अध्यक्ष द्वारा भी निंदा की गई..संविधान इसके मूलभूत सिद्धांतों और मूल्यों पर, इसके द्वारा बनाई और सशक्त की गई संस्थाओं पर हमले से ध्यान हटाने का यह प्रयास संसद के सुचारू कामकाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है।'' सोनिया गांधी ने कहा कि यह इतिहास में दर्ज सत्य है कि मार्च 1977 में देश की जनता ने आपातकाल पर स्पष्ट निर्णय दिया, जिसे निःसंकोच और स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया तथा तीन साल से भी कम समय के बाद वह कांग्रेस, जो मार्च 1977 में हार गई थी, सत्ता में लौट आई। उन्होंने 'नीट' मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री, जो परीक्षा पे चर्चा करते हैं, उस पेपर लीक पर चुप हैं, जिसने देश भर में कई परिवारों को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में टकराव नहीं चाहता है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने कहा, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सहयोग की पेशकश की है। 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे संसद में सार्थक कामकाज और इसकी कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री और उनकी सरकार सकारात्मक प्रतिक्रिया देगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी ने टीम इंडिया को दी बधाई

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई दी है। राहुल के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। राहुल गांधी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि सूर्य कुमार यादव ने मैच के आखिरी समय में सीमा रेखा पर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर का शानदार कैच पकड़ा। राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, विश्व कप की शानदार जीत और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया को बधाई। सूर्या, क्या शानदार कैच पकड़ा। रोहित, यह जीत आपकी लीडरशिप का प्रमाण है। राहुल, मैं जानता हूं कि टीम इंडिया को आपके मार्गदर्शन की कमी खलेगी। नीले रंग की जर्सी वाले शानदार युवाओं ने हमारे देश को गौरवान्वित किया है। वहीं खरगे ने लिखा, रोमांचक फाइनल में टीम इंडिया ने 17 साल बाद जीता टी-20 विश्व कप। नीले रंग की जर्सी पहने टीम के सदस्यों को प्रतिभा और समर्पण के प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए बहुत-बहुत बधाई। पूरे मैच में विराट कोहली, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह की चमक बनी रही। इस अविश्वसनीय जीत पर हर भारतीय को गर्व है। आपकी उपलब्धियों का हमेशा जश्न मनाया जाएगा और उन्हें संजोया जाएगा। हम भविष्य के मैचों में आपका समर्थन और उत्साहवर्धन जारी रखने के लिए तत्पर हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, हुर्रे! शानदार टीम इंडिया। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है।

बीकानेर में सड़कें बनीं दरिया, तिनकों की तरह बहने लगी गाड़ियां

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान में अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश देखी जा रही है। मौसम विभाग ने अगले 36 घंटे के दौरान राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके नजारे एक दिन पहले से ही सूबे में दिखने लगे हैं। राजस्थान के बीकानेर जिले में भारी बारिश दर्ज की गई। इससे सड़कें दरिया बन गईं। ऐसा लग रहा था जैसे सड़कों पर तेज रफ्तार से बह रहा पानी अपने साथ सबकुछ बहा ले जाएगा। कुछ वाहन चालक अपनी गाड़ियों के साथ इस बहाव में फंस गए। इस वाकए का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस तेज बहाव में कारें और दो पहिया वाहन तिनकों की तरह बहते नजर आए। बीकानेर में भारी बारिश के बाद कई स्थानों पर जलभराव देखा गया। मौसम विभाग ने राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में अगले 36 घंटे के दौरान भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी का कहना है कि अगले चार से पांच दिन तक भारी से बहुत भारी बारिश देखी जा सकती है। राजस्थान में मानसून के प्रभाव से अगले कुछ दिनों के दौरान भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश देखी गई। कहीं-कहीं भारी बारिश भी देखी गई। पूर्वी राजस्थान के कामां में 68 मिमी जबकि पश्चिमी राजस्थान के रायसिंहनगर में 72.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। दूसरे ने पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान भारी बारिश का अनुमान जताया है।

इस बार बजट में रोजगार के वास्ते सरकार खोलेगी खजाना, मिडिल क्लास पर रहेगा फोकस

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी आम बजट के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की तैयारी में है। इसको लेकर वित्त मंत्रालय के स्तर पर लगातार बैठकें चल रही हैं। माना जा रहा है कि इस बार का बजट युवा, रोजगार, महिला, बुजुर्ग और मध्यम वर्ग पर केंद्रित होगा। इसके लिए सरकार जहां आयुष्मान भारत से पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज को जारी रखेगी वहीं 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का रास्ता भी साफ करेगी। भाजपा ने चुनाव से पहले घोषणा की थी कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त में इलाज मुहैया कराया जाएगा। अब बजट के माध्यम से पैसे का आवंटन करने की तैयारी है। इस तरह सरकार अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी बजट बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस बार युवाओं के लिए रोजगार पर भी विशेष ध्यान रहेगा। आम चुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक न आने के बाद से भाजपा सरकार युवाओं को साधने की कोशिश कर रही है। इस वर्ष के अंत में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, जिसमें भाजपा को लगता है कि अगर युवा वर्ग नाराज हुआ तो नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए केंद्र सरकार अपने खजाने का मुंह खोलने को तैयार है।

इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, उत्पादन, उच्च मूल्य वाली सर्विस, स्टार्टअप, पर्यटन और खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की संभावना तलाशी जा रही है। रोजगार पैदा करने वाले इन क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने और नई परियोजनाओं को बजट के माध्यम से स्वीकृति मिलने की संभावना है। भाजपा सरकार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पैरवी कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का बजट आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का होगा। इसके लिए सरकार सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली, ग्रीन एनर्जी, एयरपोर्ट, मेट्रो समेत अन्य क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर बड़ी घोषणा हो सकती हैं। इन परियोजनाओं के जरिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा होंगे। इस तरह से उत्पादन और सर्विस क्षेत्र को लेकर भी बड़ी घोषणाएं संभव है, जिसमें सबसे ज्यादा कुशल व प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पड़ेगी। युवा अपने दम पर कारोबार के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए स्टार्टअप पर दी जा रही छूट को आगे भी जारी रखा जा सकता है। कुछ अतिरिक्त ऐलान भी स्टार्टअप को लेकर किए जा सकते हैं। खेल और पर्यटन से जुड़ी मदों का बजट भी बढ़ाया जा सकता है। चुनाव से पहले भाजपा ने घोषणा पत्र में युवाओं के लिए इन सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा भी किया था।

एक्स-रे करते ही सामने होगा फेफड़े का पूरा हाल, एआई से फौरन चल जाएगा इन बीमारियों का पता

गोरखपुर , एजेंसी। फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच के जरिए फेफड़ों में होने वाली 16 पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता फौरन लग जाएगा। इसकी सटीकता कम से कम 70 फीसदी रहेगी। उससे कम सटीक होने पर मशीन खुद-ब-खुद रिपोर्ट को चिकित्सक से परामर्श की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्स-रे मशीन में इंस्टॉल हो जाएगा।

इस एआई टूल को विकसित किया है गोरखपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर व देहरादून के ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सात्विक वत्स और उनके साथी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ. करन सिंह और एम्स गोरखपुर के चिकित्सक भी शामिल रहे। इस टूल को विकसित करने के लिए पांच देशों के डेढ़ लाख से अधिक मरीजों का ब्योरा जुटाया गया। उनको एकीकृत किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल हैं। इस रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया गया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल रहे।

मशीन करेगी पैटर्न की पहचान डॉ. सात्विक बताते हैं कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान सके। इस टूल की मदद से 16 प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिल गई है। यह पैटर्न अलग-अलग बीमारियों के होते हैं। जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायाफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ शामिल हैं।

छोटी मछलियों को पकड़कर, बड़े मगरमच्छों को छोड़ा जा रहा, नीट पेपर लीक मामले में कांग्रेस का नया हमला

अहमदाबाद, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा (ह्रश्वश्वज्ञ) पेपर लीक मामले की जानकारी थी और सारे सबूत होने के बावजूद झूठ बोलकर सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया गया। साथ ही पार्टी ने आरोप लगाया कि इस घोटाले से जुड़े मामले के आरोपियों को बचाने की लगातार कोशिश भी केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोधरा के पुलिस उपाधीक्षक ने सत्र न्यायालय में जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें कहा गया है कि पेपरलीक हुआ है और इसके लिए पहले से सेटिंग की गई और उसके तहत छात्रों को गोधरा का एक खास परीक्षा केंद्र चुनने को कहा गया। परीक्षा होने के बाद स्कूल में उत्तर पुस्तिकाओं पर सही उत्तर लिखवाया गया लेकिन अब तक स्कूल के चेयरमैन को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा,मेरे हाथ में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस का हलफनामा है जो सेशन कोर्ट गोधरा में फाइल किया गया है। इसमें बताया गया है कि महाराष्ट्र ओडिशा और बिहार समेत कई राज्यों से छात्र गोधरा परीक्षा देने आए क्योंकि वहां उनकी पहले से ही सेटिंग हो गई थी। उन छात्रों से एडवांस में पैसे और ब्लैंक चेक लिए गए। साथ ही, उन्हें कहा गया था कि परीक्षा का फार्म भरते समय सेंटर जय जलाराम स्कूल गुजराती

मीडियम का नाम लिखें। कांग्रेस नेता ने कहा,सेंटिंग ये थी कि जब छात्रों को एडमिशन मिल जाएगा तो ब्लैंक चेक में पैसे भरे जाएंगे। नीट पेपर लीक मामले का पहला आरोपी तुषार भट्ट जय जलाराम स्कूल में पढ़ाता है और नीट का डिप्टी सेंटर सुपरिटेंडेंट है। दूसरा आरोपी पुरुषोत्तम महावीर प्रसाद नीट परीक्षा के लिए सिटी कोऑर्डिनेटर है और जय जलाराम स्कूल का प्रिंसिपल है। इनका काम परीक्षा खत्म होते ही पेपर को बक्से में सील करके तुरंत कोरियर करना था लेकिन इन्होंने परीक्षा खत्म होने के बाद बक्से खोलकर पेपर में सही उत्तर टिक किए और फिर बक्सों को भेजा। इस मामले में तीन लोग और पकड़े गए हैं जिनमें परशुराम, विनोद आनंद, आरिफ वाहोरा थे।

चंद्रयान-3 के बाद चांद पर कमाल करेगा चंद्रयान-4

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर से अपने विज्ञान और तकनीक के अद्वितीय कारनामों से दुनिया को चौंकाने की तैयारी में है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि भारत 2040 तक इंसान को चांद पर भेजने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह मिशन चंद्रयान मिशनों की एक अहम कड़ी होगी, जो भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। चंद्रयान-4 लाएगा चंद्रमा से नमूने पिछले साल, इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतार कर इतिहास रच दिया था। यह उपलब्धि न केवल भारत के अंतरिक्ष मिशनों में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि दुनिया भर में इसरो की वैज्ञानिक क्षमता और तकनीकी कौशल की सराहना भी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति रखा, जो अब इसरो के आगामी चंद्र मिशनों का एक महत्वपूर्ण बिंदु बनेगा। एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में एस. सोमनाथ ने बताया कि इसरो का लक्ष्य शिव शक्ति प्वाइंट से अगले कुछ वर्षों में चंद्र नमूने को पृथ्वी पर लाना है। इसरो के इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की संरचना और उसके रहस्यों को और गहराई से समझना है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले चीन ने भी सफलतापूर्वक चंद्रमा से नमूने वापस लाने में सफलता प्राप्त की थी, और अब भारत भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। 2040 तक चांद पर

पहुंचेंगे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2040 तक चांद पर इंसान को भेजने के आह्वान पर एस. सोमनाथ ने कहा, हमें चांद पर उतरने के लिए कई चीजों में निरंतरता बनाए रखनी होगी, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान और ट्रांस-लूनर मानव अंतरिक्ष उड़ान शामिल हैं। हमें चंद्रयान मिशनों को जारी रखना होगा क्योंकि चांद पर जाना और वापस आना भी हमारी पहुंच में हो। हमें एक ऐसे स्तर तक पहुंचना होगा जहां शायद हमारे लोग चांद पर जा सकें और वापस आ सकें। इसरो के अध्यक्ष के अनुसार, चंद्रमा पर भारतीयों को भेजने के लिए कई तकनीकी और वैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए अत्याधुनिक अंतरिक्ष यान, जीवन रक्षक प्रणाली, और चंद्रमा पर सुरक्षित लैंडिंग की तकनीक विकसित करनी होगी। इसके अलावा, अंतरिक्ष यात्री के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परीक्षण और अनुसंधान भी आवश्यक होंगे। इसरो ने लहराया था परचम

इसरो की इस महत्वाकांक्षी योजना ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई उमंग और उत्साह भर दिया है। यह मिशन न केवल भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की यह नई दिशा न केवल चांद की सतह पर भारतीयों की उपस्थिति सुनिश्चित करेगी, बल्कि अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत को विश्व गुरु बनने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

टी-20 वर्ल्डकप-2024

जीत लिया जग सारा!

17 साल बाद भारतीय टीम बनी टी-20 की वर्ल्ड चैम्पियन, साउथ अफ्रीका को हराया

बारबाडोस, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है. इस टीम ने इतिहास में चौथी बार कोई वर्ल्ड कप (वनडे, टी20) खिताब जीता है. भारतीय टीम ने शनिवार (29 जून) को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से शिकस्त दी. इस जीत के साथ ही 140 करोड़ भारतीयों को जश्न मनाने का सुनहरा मौका दिया.

बता दें कि भारतीय टीम ने 2 बार वनडे वर्ल्ड कप (1983, 2011) खिताब जीता है. जबकि दो बार ही टी20 वर्ल्ड कप (2007, 2024) खिताब जीत लिया है. टीम ने पिछला वर्ल्ड कप (वनडे में) 2011 में जीता था. अब 13 साल बाद कोई वर्ल्ड कप (टी20 में) खिताब जीता है.

क्लासेन की फिफ्टी भी अफ्रीका को नहीं जिता सकी

बारबाडोस में खेले गए इस फाइनल में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 177 रनों का टारगेट दिया था. इसके जवाब में अफ्रीका की टीम 8 विकेट पर 169 रन ही बना सकी और खिताब गंवा दिया. मैच में अफ्रीका ने 12 रनों पर 2 विकेट गंवा दिए थे. इसको बाद क्विंटन डिकॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 गेंदों पर 58 रनों की पार्टनरशिप कर टीम को संभाला. स्टब्स 31 रन बनाकर आउट हुए. फिर डिकॉक ने हेनरिक क्लासेन के साथ मिलकर 36 जोड़े. जब स्पिनर्स के खिलाफ डिकॉक और क्लासेन ने पैर जमाए तो रोहित ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को लगाया. ऐसे में डिकॉक उनके जाल में फंसे और विकेट देकर चलते बने. यहां डिकॉक 39 रन बनाकर चलते बने.

पंड्या ने आखिरी ओवर में ऐसे पलट दी बाजी

आखिर में जब क्लासेन ने बल्ला चलाया तो लगा कि मैच भारत के हाथ से निकल जाएगा. मगर रोहित ने चाल चली और हार्दिक पंड्या को गेंदबाजी पर लाए. फिर पंड्या ने सबसे पहले क्लासेन को शिकार बनाया. क्लासेन 27 गेंदों पर 52 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद पूरी अफ्रीकी टीम लड़खड़ा गई और भारत चैम्पियन बनने से नहीं चुका.

भारतीय टीम के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने 20 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. जबकि पेसर अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह को 2-2 सफलताएं मिलीं. स्पिनर अक्षर पटेल ने 1 विकेट लिया. आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे, लेकिन पंड्या ने 2 विकेट लेकर 8 रन दिए और मैच जीत लिया.

कैप्टन कूल कहे जाने वाले

एमएस धोनी ने भारत की जीत के बाद अपने बधाई संदेश में कहा कि उनके भी दिल की धड़कनें आज बढ़ गई थीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने साल 2007 के बाद 17 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है. 2007 में टीम इंडिया ने एमएस धोनी की कप्तानी में यह खिताब अपने नाम किया था.

उस खिताबी जीत में रोहित शर्मा बतौर खिलाड़ी खेले थे, जिन्होंने आज अपनी कप्तानी में भारत को उसका दूसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब दिलाया है. भारत की इस खिताबी जीत पर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भी बधाई दी है. धोनी ने जीत की बधाई देते हुए लिखा कि इस मैच में उनके दिल की धड़कने भी बढ़ गई थीं. लेकिन आपको शांत रहने के लिए बधाई.

आपने आत्मविश्वास के साथ जो किया उसके लिए बहुत-बहुत शुक्रिया. बता दें धोनी को कैप्टन कूल कहा जाता है लेकिन धोनी ने लिखा कि इस मैच को देखते हुए उनकी भी धड़कने बढ़ गई थीं. यह बात अपने आप में खास है कि मैदान से दूर रहकर धोनी भी नर्वस हो गए. उन्होंने इस जीत को अपने जन्मदिन का अडवांस तोहफा करार दिया. बता दें धोनी आगामी 7 जुलाई को अपना 43वां बर्थडे सेलीब्रेट करेंगे.

धोनी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, 'वर्ल्ड कप चैंपियन 2024. मेरे दिल की धड़कने भी बढ़ गई थीं. आप लोगों ने शांत रहकर, खुद पर भरोसा रखा और जो आपने किया वह बहुत शानदार है. भारत और दुनिया के हर कोने में रहने वाले भारतीयों के लिए वर्ल्ड कप घर लाने के लिए आपका बहुत शुक्रिया. अरेज जन्मदिन के इस खास तोहफे के लिए शुक्रिया.

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मारक्रम बोले-

यह दिल को झकझोरने वाली हार है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशाजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम ने चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जतायी कि यह प्रदर्शन अगली बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। जीत के लिए 176 रन का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच क्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन की जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने कमाल की गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लपका। इससे पहले विराट कोहली ने 76 रन की पारी खेल भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की।

इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करेंगे, उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हम आज के मैच के दौरान सुधार कर सकते थे। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है। हार के गम के बावजूद मारक्रम को विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर टीम के साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है।% मारक्रम ने कहा, 'यह हार चुभने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की भूख बढ़ेगी।

मारक्रम ने स्वीकार किया कि क्लासेन के लिए इस तरह के 'विशेष प्रयास के बाद इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा।% भारतीय खिलाड़ियों की आंखों में जहां खुशी के आंसू थे, वहीं प्रोटियाज इससे टूट गए कि एक और बड़ा खिताब उनके हाथ से फिसल गया है।

भारत बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने शनिवार को इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में ग्रुप सी मुकाबले में फिलीपींस पर 3-2 से जीत के साथ बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।

भारतीय टीम, जिसने अपने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में वियतनाम को 5-0 से हरा दिया था, ने प्रतियोगिता में अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी लाइन-अप में कुछ बदलाव किए, जिसमें लड़कों के एकल में प्रणय शेट्टीगर की जगह रौनक चौहान और लड़कियों के युगल में श्रावणी वालेकर के साथ के.वेन्नला को शामिल किया गया। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप की उपविजेता तन्वी शर्मा ने फंटस्पिना क्रिस्टेल री पर 21-9, 21-17 से जीत के साथ भारत की शुरुआत की, लेकिन जमाल रहमत पांडी के खिलाफ शुरुआती गेम जीतने के बाद चौहान लय बरकरार नहीं रख सके और 15-21, 21- 18, 21-12 से हार गए।

इसके बाद वेन्नाला और श्रावणी ने हर्नांडेस एंड्रिया और पेसियस लिबटन को 39 मिनट में 23-21, 21-11 से हराकर भारत को एक बार फिर आगे कर दिया। अर्श मोहम्मद और शंकर सरावत के लड़कों के युगल संयोजन ने क्रिश्चियन डोरेगा और जॉन लांजा पर 21-16, 21-14 से जीत के साथ परिणाम को संदेह से परे रखा। भार्गव राम एरिगेला और के. वेन्नाला की मिश्रित युगल जोड़ी अंतिम मुकाबला हार गई।

एशियाई जूनियर स्क्वैश

शिवेन ने अंडर-15 खिताब जीता, अंडर-13 में आद्या चैंपियन बनीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के शिवेन अग्रवाल और आद्या बुधिया शनिवार को यहां समाप्त हुई 31वीं एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वैश चैंपियनशिप में क्रमशः लड़कों के अंडर-15 और लड़कियों के अंडर-13 वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। दूसरी वरीयता प्राप्त अग्रवाल ने फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मलेशिया के मुहम्मद रज़ीक पुत्र मोहम्मद फखरूर रज़ी को 11-7, 8-11, 11-5, 13-11 से हराया, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त आद्या ने चौथी वरीयता प्राप्त हमवतन गौशिका एम को 11-5, 11-5, 11-4 से हराया। अग्रवाल ने 2022 में अंडर-13 सेमीफाइनल में मुहम्मद रज़ीक से अपनी हार का बदला लिया, जबकि आद्या का पदक प्रतियोगिता के लड़कियों के अंडर-13 वर्ग में भारत का पहला स्वर्ण था भारत ने 12 साल के अंतराल के बाद चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते।

सूर्यकुमार को जय शाह से मिला 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार

ब्रिजटाउन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है। दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड की तरह क्षेत्ररक्षण किया।

जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।

नामीबिया दौरे के लिए पंजाब की पुरुष टीम घोषित

मोहाली, एजेंसी। शेर-ए-पंजाब टी-20 कप के दूसरे सीजन के सफल आयोजन के बाद पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने 14 सदस्यीय पंजाब सीनियर पुरुष टीम की घोषणा की है जो 3 जुलाई से शुरू होकर 10 जुलाई तक चलने वाली पांच मैचों की 50 ओवर की सीरीज के लिए नामीबिया के 12 दिवसीय दौरे पर जाएगी।

टीम शनिवार रात को नई दिल्ली से दौरे के लिए रवाना हुई। पूर्व क्रिकेटर और योग्य कोच रवनीत सिंह और हरमीत बंसल कोच के रूप में टीम के साथ होंगे। मैच विंडहोक के वांडरर्स स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। टूर के बारे में बात करते हुए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी दिलशेर खन्ना ने कहा कि नामीबिया टूर प्लेयर्स को एक्सपोजर देगा और हमारे प्लेयर्स जरूर इंटरनेशनल टूर पर अच्छा करके लौटेंगे। ये टूर उन्हें सीखने का मौका देगा, जिससे हमें आगामी डोमेस्टिक टूर्नामेंट में अच्छा करने में मदद मिलेगी।

पंजाब की टीम में युवा और अनुभव दोनों तरह के प्लेयर्स है। दौरे के आयोजन के पीछे के विचार पर बात करते हुए पीसीए के संयुक्त सचिव सुरजीत राय ने कहा कि खिलाड़ियों को ऑफ-सीजन में अनुभव देने के उद्देश्य से, पीसीए ने दौरे के आयोजन का फैसला किया है।

हमने हाल ही में संपन्न शेर-ए-पंजाब टी-20 कप में खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखा। टूर्नामेंट में कुल 33 मैचों ने राज्य के खिलाड़ियों को एक बेहतरीन मंच प्रदान किया। नामीबिया दौरे की योजना भी खिलाड़ियों को विदेशी धरती पर खेलने का अनुभव देने के लिए बनाई गई है। खिलाड़ियों को मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहिए और अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नेहल वढेरा और उदय प्रताप सहारन, जो पंजाब टी-20 लीग का हिस्सा नहीं थे, भी दौरे पर आई पंजाब टीम में शामिल हैं। शेर-ए-पंजाब में 22 विकेट लेने वाले मध्यम गति के गेंदबाज गुरनूर बरार भी नामीबिया दौरे के लिए पंजाब टीम का हिस्सा हैं। मैच 3 जुलाई, 5 जुलाई, 7 जुलाई, 9 जुलाई और 10 जुलाई को होंगे। राय टीम के साथ साहेबजीत सिंह सेहम्बी के साथ यात्रा करेंगे जो पीसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य हैं।

ये है पंजाब टीम

अनमोल मल्होत्रा, आराध्य शुक्ला, गुरनूर सिंह बराड़, हरप्रीत सिंह बराड़, जस इंदर सिंह, मयंक मारकंडे, नमन धीर, नेहाल वढेरा, प्रभसिमरन सिंह, पुखराज मान, रमनदीप सिंह, सनवीर सिंह, सिद्धार्थ कौल और उदय प्रताप सहारन।

सपोर्ट स्टाफ

हरमीत सिंह बंसल (कोच), रवनीत सिंह (कोच), राम बाबू शॉ (फिजियोथेरेपिस्ट), लविश चौधरी (ट्रेनर) और सतविंदर सिंह (मैनेजर)।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में पटाखा गोदाम में विस्फोट, पांच की मौत, 20 घायल

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में शनिवार को एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, और 20 लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोट में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि अग्निशमन कर्मी और पुलिस विस्फोट के कारणों की जांच कर रहे हैं।

धर्म मेरा मार्गदर्शन करता है, नारायण मंदिर में ऋषि सुनक ने टेका मत्था, चुनावी जीत के लिए मांगा आशीर्वाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आगामी कुछ दिनों के भीतर संसदीय चुनाव होने हैं और ऋषि सुनक की अगुवाई में कंजर्वेटिव पार्टी एक बार पिर जीत का पताका लहराने को बेताब है। हालांकि चुनावी रणनीतिकार चुनाव में विपक्षी दल लेबर पार्टी का पलड़ा भारी बता रहे हैं। इस बीच शनिवार को ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ लंदन के एक हिन्दू मंदिर का दौरा किया। श्री स्वामीनारायण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुनक ने अपनी हिन्दू आस्था के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि धर्म हमेशा से मेरा मार्गदर्शन करता है। ब्रिटेन में होने वाले चुनाव के मद्देनजर लंदन में श्री स्वामी नारायण मंदिर पहुंचे ऋषि सुनक ने हिंदू आस्था के बारे में कहा कि यह मेरे लिए प्रेरणा और आराम का स्रोत है। सुनक ने लोगों को संबोधित किया और कहा कि धर्म हमेशा से उनका मार्गदर्शन करता है। चाहे वह निजी जीवन हो या सार्वजनिक। जिंदगी के हर छोर पर धर्म मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। सुनक ने कहा, मैं एक हिंदू हूं और आप सभी की तरह, मैं भी अपने धर्म के प्रति विश्वास से प्रेरणा और सांत्वना लेता हूं। मुझे श्रीमद भगवद गीता की शपथ लेकर सांसद बनने पर गर्व है। सुनक ने आगे कहा कि उन्हें हिन्दू होने पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा, हमारा विश्वास हमें अपना कर्तव्य करना सिखाता है और जब तक कोई इसे ईमानदारी से करता है तब तक परिणाम के बारे में चिंता नहीं करता। यही वह है जो मुझे हमेशा प्रेरणा देता है। अपने माता-पिता की तरह मैं भी अपना जीवन सादगी से जीने की कोशिश करता हूं और यही वह चीज है जो मैं अपनी बेटियों को बड़े होने पर देना चाहता हूं। यह धर्म ही है जो सार्वजनिक सेवा के प्रति मेरे दृष्टिकोण में मेरा मार्गदर्शन करता है।

दक्षिणपंथियों की बढ़ती ताकत के बीच फांस में चुनाव, सत्ता में बदलाव के संकेत, मैक्रों की साख दांव पर

पेरिस, एजेंसी। फांस में आज संसदीय चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान हो रहा है, जिसे बहुमत की आस लगाए बैठे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। मैक्रों के गठबंधन को वामपंथी गठबंधन से मजबूत चुनौती मिल रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देश में पहली दक्षिणपंथी सरकार बन सकती है, जो यूरोपीय संघ में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। इस महीने की शुरुआत में छह जून को यूरोपीय संसद के लिए चुनाव हुए थे। इस दौरान फांस में सबसे चौंकाने वाली राजनीतिक परिस्थितियां थीं। यहां फांस की धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ला पेन की नेशनल रैली ने मैक्रों की पार्टी को जबरदस्त झटका दिया था। इसके बाद ही राष्ट्रपति ने अंतिम नतीजे आने से पहले ही अचानक राष्ट्रीय चुनावों की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने कहा था, मैंने फैसला किया है कि आप वोट के जरिए अपना संसदीय भविष्य चुने। इसलिए मैं नेशनल असेंबली भंग कर रहा हूं। धुर दक्षिणपंथी पार्टियां हर तरफ आगे बढ़ रही हैं। यह ऐसे हालात हैं, जिन्हे मैं स्वीकार नहीं कर सकता। फांस में भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े 11 बजे से रात में साढ़े नौ बजे तक मतदान होगा। एग्जिट पोल देर रात सामने आ सकता है।

बेटी की मौत की आरोप में मां गिरफ्तार

कैरोलिना, एजेंसी। उत्तर कैरोलिना में एक महिला को उसकी आठ वर्षीय बेटी की कार के अंदर लावारिस हालत में मौत हो गई। इसके बाद महिला को जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने, हत्या और बाल उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 36 वर्षीय महिला एशली स्टालिंग्स 26 जून को गर्म मौसम के कारण अपनी बेटी को कार में छोड़कर अपने कार्यालय चली गई। उनका कहना है कि उसने कार का एसी चालू छोड़ा था, लेकिन उसे लगा कि उसकी बेटी ने कार बंद कर दी होगी क्योंकि उसे ठंड लग रही थी। उनके कहा कि वह मैसेज में अपनी बेटी से बात कर रही थी। आखिरी मैसेज के लगभग डेढ़ घंटे बाद जब वह कार में पहुंची तो उसने देखा कि उसकी बेटी कार की पीछे की सीट पर बेहोशी की हालत में थी।

न खामनेई समर्थक जलीली न ही हिजाब विरोधी पजशिकयान, ईरान में किसी को बहुमत नहीं, जुम्मे के दिन फिर चुनाव

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रहीसी की मौत के बाद ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव जारी है। शुक्रवार को हुई वोटिंग में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। किसी भी पक्ष को 50 फीसदी वोट नहीं मिलने के कारण अब अगले शुक्रवार फिर से चुनाव होंगे। इस चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले सईद जलीली और मसूद पाजशकियान के बीच सीधा मुकाबला होगा। ईरान के आंतरिक मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि 61 मिलियन से अधिक पात्र ईरानियों में से केवल 40 फीसदी लोगों ने मतदान किया, जो देश की क्रांति के बाद से राष्ट्रपति चुनावों में एक नया निचला स्तर है।

हिजाब विरोधी नेता को ईरानी जनता ने किया सबसे ज्यादा पसंद : ईरानी चुनाव आयोग से जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव में करीब 2 करोड़ 45 लाख से ज्यादा वोट पड़े। इन वोटों में से 1 करोड़ 4 लाख वोट मसूद पजशकियान को मिले तो वहीं दुसरे नंबर पर खामनेई का समर्थन प्राप्त कट्टरपंथी नेता सईद जलीली रहे जिन्हें 94 लाख वोट मिले। संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर 33 लाख वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे। किसी भी नेता ने 50 फीसदी मत नहीं हासिल किए इसलिए अब 5 जुलाई को एक बार फिर से चुनाव होंगे। 1979 की क्रांति के बाद यह केवल दूसरी बार हुआ है कि राष्ट्रपति का चुनाव दूसरे दौर में गया है। हालांकि इस चुनाव से ईरान की नीतियों में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है, लेकिन इसके नतीजे 1989 से सत्ता में बैठे ईरान के 85 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के उत्तराधिकार को प्रभावित कर सकते हैं। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सर्वोच्च नेता के लिए पहली पसंद माना जा रहा था। अब उनकी मौत के बाद यह चुनाव और भी ज्यादा दिलचस्प हो गया है।

हिजाब का मुद्दा रहा सबसे ऊपर : ईरानी मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक इस चुनाव में इस बार नए मुद्दे निकलकर सामने आए हैं। भ्रष्टाटार का मुद्दा, देश की आर्थिक स्थिती, प्रेस की आजादी जैसे मुद्दे छाए रहे, सबसे चौंकाने वाला मुद्दा हिजाब कानून का रहा। 2022 में महीसा अमीनी से शुरू हुआ यह हिजाब विरोधी संघर्ष और उसके बाद सरकार द्वारा किया गया उसका दमन वोटर्स के दिमाग में सबसे बड़ा मुद्दा रहा। हिजाब ईरान में लंबे समय से ईरान में धार्मिक पहचान का प्रतीक रहा है, ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद से हिजाब को एक राजनीतिक हथियार के रूप इस्तेमाल किया जाता रहा है। 1979 में क्रांति के बाद से ईरान में जब से हिजाब का कानून लागू हुआ था, तब से महिलाएं अलग-अलग तरह से इशका विरोध करती रही है। ईरान में 6 करोड़ से ज्यादा वोटर्स में आधे से ज्यादा महिलाएं हैं। महिला वोटर्स पर प्रभाव छोड़ने के लिए कट्टरपंथी छवि के नेता मोहम्मद बाकर कालिबाफ ने कुछ दिन पहले कहा था कि हिजाब कानून पर शुरुआत से सोचने की जरूरत है।

उदारवादी पजशिकयान के आगे बढ़ते ही एकजुट हुए कट्टरपंथी रिवॉल्यूशनरी फोर्स के नेता : ईरानी उपराष्ट्रपति आमिर हुसैन काजीजादेह हाशमी ने बुधवार को ही अपना नाम वापस ले लिया था। अपने बयान में हाशमी ने कहा कि रिवॉल्यूशनरी फोर्स की एकता को बनाए रखने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। इसके साथ ही हाशमी ने राष्ट्रपति रेस में शामिल बाकी फोर्स से संबंधित नेताओं से भी आम सहमति बनाने की अपील की थी। उनकी इस अपील के बाद तेहरान के मेयर अली रजा जकानी ने भी राष्ट्रपति चुनाव से अपनी दावेदारी वापस ले ली।

80 लोगों ने किया था राष्ट्रपति पद के लिए आवेदन लड़े केवल 6 : ईरानी राष्ट्रपति चुनावों के नियमों के मुताबिक जितने भी प्रत्याशी होते हैं उन सभी के आवेदन को ईरान की गार्जियन काउंसिल के पास भेजा जाता है। काउंसिल की मंजूरी मिलने के बाद ही कोई भी प्रत्याशी चुनाव में खड़ा हो सकता है। इस चुनाव में राष्ट्रपति बनने के लिए 80 लोगों ने आवेदन दिया था इनमें से केवल 6 लोगों को चुनाव लड़ने लायक पाया। इस चुनाव में 7 महिलाओं ने भी राष्ट्रपति बनने के लिए आवेदन दिया था ईरानी चुनाव नियमों के मुताबिक किसी भी उम्मीदवार को 50 फीसदी मत नहीं मिले हैं। ऐसे में सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले दो प्रमुख उम्मीदवारों के बीच दोबारा चुनाव होता है। तो ऐसे में अब जलीली और पजशकियान के बीच अगले जुम्मे यानि की 5 जुलाई को फिर से मुकाबला होगा।

आईसीसी टी20 विश्वकप - कई वैश्विक नेताओं ने भारत को दी जीत की बधाई, श्रीलंका और इस्राइल ने कहा- यह ऐतिहासिक उपलब्धि

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर आईसीसी टी20 विश्वकप का खिताब अपने नाम कर लिया। विश्व कप में शानदार जीत पर कई वैश्विक नेताओं ने भारत को जीत की बधाई दी। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा भारत ने दबाव में भी शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, इस्राइली राजदूत नाओर गिलोन भी भारत की जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। श्रीलंका के विदेश मंत्री साबरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, बधाई हो भारत! दबाव में शानदार प्रदर्शन!। साबरी ने आगे लिखा, भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहला आईसीसी खिताब जीता है। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त कर दिया है।

उ. कोरिया में लोगों को हर माह जमा करना होगा 10 किलो मल, आदेश ना मानने पर देना होगा 5,000 वॉन

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की तानाशाही का एक बेहद ही अजीब मामला सामने आया है। हाल ही में जारी एक आदेश में उत्तर कोरिया के लोगों को कहा गया है कि वे हर महीने कम से कम 10 किलो सूखा मानव मल जमा करेंगे और इसे सरकार को देंगे। इस आदेश को नहीं मानने वालों पर 5,000 वॉन (500 रुपये) का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आदेश उस घटना के करीब एक महीने बाद आया है, जब किम जोंग ने सीमा पार दक्षिण कोरिया में मल से भरे गुब्बारे भेजे थे। माना जा रहा है कि तानाशाह का यह नया आदेश ऐसी ही शरारत की घटनाओं को फिर से अंजाम देने के लिए है। इस बीच उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक उत्तर कोरिया के लोगों को आदेश दिया गया है कि प्रत्येक घर से 10 किलोग्राम (22 पाउंड) मानव मल एकत्र किया जाएगा, ताकि इसका इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जा सके। आदेश के मुताबिक लोगों को यह मल सुखाकर जमा करना होगा। इसके बाद इसे नजदीकी उर्वरक केंद्र पर जमा कराना होगा।

नशे की हालत में चालक ने नेल सैलून में घुसा दी कार, अमेरिकी पुलिसकर्मी समेत चार की मौके पर ही मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मौत कब कहां कैसे आ जाए पता ही नहीं चलता। एक न्यूयॉर्क की पुलिसकर्मी जो कि एक शादी की पार्टी के लिए सैलून में नाखून बनवा रही थी। उस सैलून में एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे पुलिसकर्मी समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आईलैंड में स्थित एक नेल सैलून में एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। 64 वर्षीय श्वाली 2020 चेली ट्रैवर्स चला रहा था, तभी अचानक उसकी कार नेल सैलून के स्टोरफ्रंट से टकरा गई। टकराव से सैलून का पूरा कांच टूट गया और छत भी गिर गई। इस घटना के दौरान नेल सैलून में न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग की एक अधिकारी 30 वर्षीय एमिलिया रेनहैक भी समेत कई लोग मौजूद थे।

पुलिसकर्मी समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कार चालक नशे की हालत में था। कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है, उस पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है। उसे वेस्ट इस्लिप के गुड समैरिटन यूनिवर्सिटी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने बताया उसकी चोटें गंभीर नहीं थीं। पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ अतिरिक्त आरोप लंबित हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिसकर्मी एमिलिया किसी शादी के डिनर के लिए तैयार होने सैलून गई थीं।

सर्बिया में इस्राइली दूतावास पर हमला, ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी को बनाया निशाना, हमलावर ढेर

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया के एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को एक व्यक्ति को मार गिराया। व्यक्ति ने बेलग्रेड में इजरायली दूतावास के सामने क्रॉसबो से उसकी गर्दन पर गोली चलाई थी। वहीं सर्बिया की प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवादी हरकत बताया है।

सर्बिया की राजधानी में सुबह लगभग 11 बजे एक हमलावार ने इजरायली दूतावास के बाहर ड्यूटी पर तैनात अधिकारी को गोली मार दी। इसके बाद पुलिसकर्मी ने भी हमलावर पर गोली चलाई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आंतरिक मंत्री इंविका डेसिक ने कहा कि पुलिसकर्मी ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। 34 वर्षीय अधिकारी हमले के समय अपने गार्ड बूथ में थे। उनकी अस्पताल में सर्जरी हुई। पुलिस पर हमला करने वाला व्यक्ति बेलग्रेड से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित म्लादेनोवैक शहर का है। उसने इस्लाम धर्म में खुद को परिवर्तित किया है। अधिकारियों के अनुसार हमलावर नोवी पज़ार में रहने के लिए चला गया था, जो सर्बिया में बोस्नियाक मुस्लिम अल्पसंख्यक का ऐतिहासिक और राजनीतिक केंद्र है। यह देश में इस्लाम का केंद्र है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा सेवाओं को कुछ लोगों पर हमले से जुड़े होने का संदेह था, इसलिए कुछ गिरफ्तारी की गई थी। उसमें बेलग्रेड का एक व्यक्ति भी शामिल है। जिसे दो वर्ष पहले भी कई आतंकवादी इंटरनेट साइट जो कि जिहाद का आह्वान करती थी, वह उन्हें ऑपरेट करता था। इस कारण उसे गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उसे गिरफ्तार कर दिया गया था। पुलिस का कहना है कि वे कई स्थानों पर तलाशी ले रहे हैं।

घायल पुलिस अधिकारी ने मिलने पहुंचे राष्ट्रपति : राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने घायल अधिकारी से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि कई ऐसे लोग हैं, जिनकी हम तलाश कर रहे हैं, उनमें से एक सर्बिया में है। उन्होंने कहा कि हमलावर और उसके साथियों को शनिवार के पहले ही अधिकारियों ने ढूंढ लिया था। लेकिन पर्याप्त सबूत न होने के कारण उसे रिहा करना पड़ा।

प्रधानमंत्री ने की घटना की घोर निंदा, बोला आतंकवादी कृत्य है सर्बिया की प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने इस हमले की निंदा करते हुए उसे जघन्य आतंकवादी कृत्य करार दिया। पीएम ने कहा कि उनका देश आतंकवादी घटना का करारा जवाब देगा। ताकि सर्बिया के नागरिक सुरक्षित महसूस कर सके।

घटना के बाद दूतावास को किया बंद : इजराइली विदेश मंत्रालय ने बताया कि घटना के बाद दूतावास को बंद किया गया है। हालांकि दूतावास का कोई कर्मचारी घायल नहीं हुआ है। परिस्थितियों की जांच चल रही है।

आईएसआई जैसी एजेंसियां न्यायिक मामलों में न दें दखल, पीएमओ रोके: इस्लामाबाद हाई कोर्ट

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय को कुछ खाश निर्देश जारी किए। इसमें कहा गया कि आईएसआई जैसी खुफिया एजेंसियों को आदेश दिया जाए कि वे फैसले को लेकर किसी भी न्यायाधीश या उनके स्टाफ से संपर्क न करें। कई न्यायाधीशों ने खुफिया एजेंसियों आईएसआई, सैन्य खुफिया और खुफिया ब्यूरो पर वांछित फैसले प्राप्त करने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है। विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री व पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान, उनकी पार्टी के नेताओं और समर्थकों के मामलों में।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के 8 में से 6 जजों और पंजाब की आतंकवाद रोधी अदालतों के कुछ न्यायाधीशों ने इसे लेकर पत्र लिखा था। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश और लाहौर एचसी के चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखकर उनका ध्यान न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के खुले हस्तक्षेप की ओर दिलाया गया। उनमें से कुछ ने शिकायत की थी कि उन पर दबाव डालने के लिए उनके परिवार के सदस्यों को खुफिया एजेंसियों की ओर से हिरासत में लिया गया।

आईएसआई कर्मियों की ओर से उत्पीड़न के आरोप लाहौर एचसी के जस्टिस शाहिद करीम ने आईएसआई के कर्मियों की ओर से उत्पीड़न के आरोप लगाए। इस संबंध में शनिवार को पंजाब के सरगोधा जिले में एटीसी न्यायाधीश की शिकायत पर प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखित निर्देश जारी किए। न्यायाधीश ने अपने लिखित आदेश में कहा, प्रधानमंत्री खुफिया एजेंसियों की कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह हैं, क्योंकि वे उनके अधीन आती हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आईएसआई और आईबी सहित सभी असैन्य या सैन्य एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि वे भविष्य में किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी न्यायाधीश या उनके किसी स्टाफ से संपर्क न करें।

पंजाब पुलिस के लिए भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि उसके आदेश का क्रियान्वयन न होने की स्थिति में पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस प्रमुख को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा। साथ ही, अवमानना ?? कार्यवाही शुरू की जाएगी। पीटीआई के प्रवक्ता रऊफ हसन ने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत यह हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनादेश के चोर सरकार और उसके गुर्गे अपनी मर्जी के फैसले कराने के लिए न्यायपालिका को मजबूर कर रहे हैं।

मोसुल में ऐतिहासिक मस्जिद अल-नूरी की दीवार में मिले पांच जिंदा बम, पूरे इलाके में दहशत

बगदाद, एजेंसी। उत्तरी इराक के मोसुल में ऐतिहासिक मस्जिद अल-नूरी की दीवारों में पांच बड़े बम पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक ये बम उस समय के हैं जब इस इलाके में आईएसआईएस का कब्जा था। 12वीं शताब्दी की ऊंची मीनारों के लिए फेमस इस मस्जिद को आईएसआईएल ने 2017 में ध्वस्त कर दिया था। हालांकि यूनेस्को ने 2020 से इसे एक बार फिर से ठीक कराने का काम शुरू किया।

यूनेस्को ने कहा कि मस्जिद में नमाज वाले हॉल की दक्षिणी दीवार में पांच बड़े साइज के बम पाए गए हैं। जाहिर सी बात है कि बड़े स्तर पर तबाही करने के लिए इन बमों को लगाया गया था। ये पांचों बम जिंदा बताए गए हैं। इराक के प्रशासन का कहना है कि एक बम को तत्काल निष्क्रिय कर दिया गया था। वहीं बाकी के चार बम आपस में जुड़े हुए हैं और कुछ दिन में उन्हें भी निष्क्रिय किया जाएगा। फिलहाल पूरे इलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इराक के प्रशासन ने फिलहाल यूनेस्को से अपना काम रोकने को कहा है। इराक की सरकार का कहना है कि जब तक पांचों बम निष्क्रिय ना हो जाएं तब तक मस्जिद परिसर में कोई भी कदम ना रखे। ढ़ुस्ढ़ुरु आतंकी अबू बकर अल बगदादी ने 29 जून 2014 को इस मस्जिद को खलीफा का अधिकार क्षेत्र घोषित कर दिया था। 2017 में मोसुल में आईएस के लड़ाकों ने इस मस्जिद को ढहाने की कोशिश की। बता दें कि मोसुल के शहरी इलाकों में आज भी कई जगहों पर आईएस के छिपाए गए बम मिल जाते हैं। यूएन भी मोसुल में बारूदी सुरंगों को साफ करने में मदद करता है। मोसुल के पुराने शहर में अब भी कई इलाके रहने लायक नहीं हैं। वहीं यूनेस्को ने अल नूरी मस्जिद को पूरी तरह रीस्टोर करना का लक्ष्य दिसंबर 2024 तक का रखा है। फिलहाल आईएसआईएस के कब्जे में इराक और सीरिया का कोई इलाका नहीं है। फिर भी अंदर-अंदर आतंकी संगठन में भर्ती और आए दिन हमलों की खबरें आती रहती हैं।

अपने बेटे बैरन को लेकर मेलानिया ने पति ट्रंप से किया बड़ा समझौता, अगर वह राष्ट्रपति बने तो....

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इसके लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप जमकर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। वहीं, उन्हें डेमोक्रेट के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से कड़ी टक्कर मिल रही है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर 78 साल के ट्रंप राष्ट्रपति बन जाते हैं, तो वह अपनी पत्नी मेलानिया को कुछ खास सक्रिय नहीं देख पाएंगे।

दरअसल, मेलानिया ने पूर्व राष्ट्रपति से एक समझौता किया है। उन्होंने अपने पति से कहा, अगर आप चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बनते हैं, तो मुझे 24 घंटे प्रथम महिला के तौर पर सक्रिय नहीं रहना पड़ेगा।

अधिक से अधिक समय बिताना चाहती हैं... रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पूर्व प्रथम लेडी ने यह समझौता इसलिए किया है क्योंकि वह अधिक से अधिक समय अपने बेटे बैरन के साथ बिताना चाहती हैं। 18 साल के बैरन जल्द ही न्यूयॉर्क शहर के एक विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए चले जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि वह एक मां हैं और अपने बेटे के साथ हर महीने कुछ समय बिताने की योजना बना रही हैं। यहां तक कि वह न्यूयॉर्क में हर हफ्ते अपने बेटे से मिल सकती हैं।

सुर्खियों से दूर रहते हैं बैरन ट्रंप : बैरन को ट्रंप परिवार ने अब तक सुर्खियों से दूर रखा है। बैरन का जन्म मार्च 2006 में हुआ था और वह डोनाल्ड ट्रंप की पांचवीं और मेलानिया ट्रंप की पहली संतान हैं। बैरन का बचपन न्यूयॉर्क में बीता है और उनकी शुरुआती पढ़ाई भी वहीं से हुई है। जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार अमेरिका के

राष्ट्रपति चुने गए थो तो उन्होंने बताया था कि बैरन न्यूयॉर्क छोड़कर व्हाइट हाउस जाने में झिझक रहे थे। बैरन अभी 18 साल के हैं।

कभी अकेले नहीं रहे : सूत्रों ने आगे कहा, बैरन पहले कभी पूरी तरह से अकेले नहीं रहे हैं। अब कॉलेज में वह प्रवेश लेने वाले हैं। ऐसे में कुछ चिंताओं से बचाने के लिए मेलानिया अपने बेटे के करीब रहना चाहती हैं। अगर ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं तो बैरन को मिलने वाला समय बंट जाएगा, जिससे वह परेशान हो सकता है। मेलानिया अपने बच्चों को लेकर बहुत भावुक हैं। वह उनकी सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहती हैं। वह पहले ही इस बात से भी इनकार कर चुकी हैं कि बैरन फ्लोरिडा से रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में रिपब्लिकन प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 8

केसरवानी सभा जिला इकाई रीवा द्वारा समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों तथा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि थे। उसी अवसर का दृष्य ।

पौधों की सुरक्षा के पूरे प्रबंध करके वृक्षारोपण कराएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरे प्रदेश में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। अभियान के दौरान 3885 नए जल स्त्रोतों का विकास किया गया है इसके साथ-साथ 21577 जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है इनमें 5677 बावड़ी तथा 13000 से अधिक तालाबों में साफ सफाई और जल संरक्षण का कार्य शामिल है । जल संवर्धन के जो कार्य जारी हैं उन्हें अधिक बरसात होने से पहले पूरा कर ले। जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान एक दिन का नहीं है इसके लिए हमें सतत प्रयास करने होंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान में आम जनता ने बहुत अच्छा सहयोग दिया है।

जन सहयोग से इस अभियान को हम लगातार जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने वृक्षारोपण का आह्वान किया है। हर जिले में पूरी कार्य योजना बनाकर पौधों की सुरक्षा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करते हुए वृक्षारोपण कराएं। हर जिले में स्मृति वनों का निर्माण कर के उसमें आम जनता से उनके पूर्वजों की स्मृति में पौधे लगायें। पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अनिवार्य है। हर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करें और उसकी देखभाल करें । वन विभाग भी खाली पड़ी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में एक जुलाई से तीन नए कानून लागू किया जा रहे हैं। इनमें भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर नए कानून का निर्माण किया गया है। पुलिस अधिकारियों राजस्व अधिकारियों को नए कानून के संबंध में प्रभावी प्रशिक्षण दें । आम जनता को नए कानून तथा उनकी धाराओं की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के सभी चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं। अब जिले में प्रवेश करने के बाद वाहनों की जांच की जाएगी। इसके लिए 211 होमगार्ड परिवहन विभाग को प्रदान कर दिए गए हैं। प्रत्येक जिले में उड़न दस्ते गठित करके वाहनों की जांच कराएं । ओवरलोड वाहनों तथा अन्य अनियमिता करने पर कड़ी कार्रवाई करें । प्रदेश भर में स्कूल शुरू हो गए हैं। सभी कलेक्टर स्कूल बसों की सघन जांच कराएं । बसों में सुरक्षा उपायों तथा किसी भी तरह की कमी होने पर कड़ी कार्रवाई करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वन विभाग 82806 हेक्टेयर में 5 करोड़ 39 लाख पौधे रोपित करेगा इसके लिए प्रत्येक जिले में प्रारंभिक तैयारी कर ली गई है। वृक्षारोपण के लिए 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इंदौर में 45 लाख पौधे रोपित करने की तैयारी कर दी गई है। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से कमिश्नर गोपाल चंद्र डाड, आईजी एम एस सिकरवार डीआईजी साकेत पांडे तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल जिला पंचायत के मुख्य कार्य अधिकारी डॉ. सौरभ सोनवणे, वन मंडल अधिकारी अनुपम शर्मा एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायें : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि विद्युत आपूर्ति की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए सही वोल्टेज की विद्युत आपूर्ति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में करायें। राजनिवास सर्किट हाउस में रीवा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा के दौरान श्री शुक्ल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां विद्युत का लोड अधिक है वहां आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ट्रांसफर्मर लगायें तथा पुराने एवं जर्जर केबिल बदलवाये। उन्होंने निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र के मैदानी अमले के पास पर्याप्त मेंटीनेंस की सामग्री उपलब्ध रहे ताकि जरूरत के समय वह सुधार का कार्य कर सके।

उप मुख्यमंत्री ने अगडाल, दुआरी, नवागांव, पुरौना, कुशहा, लक्ष्मणपुर सहित अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत से संबंधित शिकायतों को निराकृत कराने के निर्देश दिये तथा कहा कि आगामी 15 दिन में पुनः इसकी समीक्षा की जायेगी। उप मुख्यमंत्री ने आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत विभक्तिकरण कार्य की समीक्षा की तथा कार्य में आने वाले व्यवधान को दूर करने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने की बात कही जिसमें विद्युत विभाग, प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ा जाय ताकि समस्या का तत्काल निराकरण कराया जा सके। बैठक में मुख्य अभियंता आईके त्रिपाठी, अधीक्षण यंत्री बृजेश शुक्ल सहित विद्युत विभाग के अधिकारी तथा विभक्तिकरण कार्य एजेंसी अशोका बिल्डकाम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केसरवानी वैश्य समाज के प्रतिभा सम्मान एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रीवा। केसरवानी सभा जिला इकाई रीवा द्वारा समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों तथा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि केशरवानी समाज के भाईचारे की भावना प्रशंसनीय है। समाज के गरीब लोगों को पूरा सहयोग एवं मदद दिया जाता है जिससे उनका हौसला बढ़ता है। श्री शुक्ल ने समाज के विकास, सुरक्षा एवं सहयोग के लिए आश्वस्त किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में विंध्य व रीवा सबसे कम समय में उन्नति करने वाले क्षेत्र के तौर पर अपनी पहचान बनायेगा। रीवा से शहडोल मार्ग में पहाड़ में सुरंग बनाने के लिए सर्वे हेतु बजट का प्रावधान किया गया है। जिसके बन जाने से रीवा - शहडोल मार्ग की दूरी कम होगी। उप मुख्यमंत्री ने केशरवानी समाज के लोगों का आह्वान किया कि नशा मुक्त विंध्य बनाने में सहभागी बने तथा नशे की प्रवृत्ति से नई पीढ़ी को दूर रखने में अपनी भूमिका निभाएं और लोगों में नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलायें। इससे पूर्व स्वागत उद्बोधन केशरवानी समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने दिया। इस अवसर पर केशरवानी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव गुप्ता, जिला अध्यक्ष सुनील गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी तथा केशरवानी समाज के रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, व्यौहारी के प्रतिनिधि व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मैं राजस्थान का हूं पर मध्यप्रदेश का बन गया हूं : डांड

सेवानिवृत्त कमिश्नर डांड को दी गई भावभीनी विदाई

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर श्री गोपाल चंद्र डांड 33 वर्ष की शासकीय सेवा के बाद अधिवार्षिकी आयु पूरी कर आज सेवा निवृत्त हो गए। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में कमिश्नर श्री डांड को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कमिश्नर श्री डांड ने कहा कि मैं राजस्थान का रहने वाला हूं पर अब मैं मध्यप्रदेश का हो गया हूं । यहां 33 वर्ष की शासकीय सेवा में मुझे कई शानदार अनुभव हुए। कई बार कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ा। कोरोना कल में ऑक्सीजन की व्यवस्था करने और कोरोना पीड़ितों को उपचार की व्यवस्था करने में बड़ा कठिन श्रम करना पड़ा। उज्जैन में 2016 में आयोजित सिंहस्थ महाकुंभ में भी प्राकृतिक आपदा के रूप में बड़ी चुनौती आई जिसे हम लोगों ने सफलतापूर्वक सामना किया। मध्य प्रदेश में मुझे रतलाम जिले में तीन बार कार्य करने का अवसर मिला। रीवा में मेरी पदस्थापना बहुत कम समय के लिए हुई। लगभग 6 माह में से तीन माह का समय चुनाव के आचार संहिता में बीत गया। फिर भी मैंने शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए अपने स्तर से भरसक प्रयास किया। पूरे संभाग में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए। बड़े त्योहारों में भी शांति कायम रही। विंध्य के नागरिक बड़े जागरूक और तेज हैं। लेकिन कई बार छोटी-छोटी बातों को लेकर भी विवाद न्यायालय तक पहुंच जाता है। सब मिलकर और एक दूसरे से सहयोग करें तो कोई समस्या नहीं होगी ।

विदाई समारोह में पुलिस महा निरीक्षक महेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि अच्छा अधिकारी वही होता है जो अच्छा इंसान भी हो। श्री डांड एक सफल और कर्मठ अधिकारी होने के साथ-साथ बहुत ही सरल सहज इंसान है। आपकी पदस्थापना जहां भी रही अपने बहुत अच्छा कार्य किया।

चिरहुला तालाब में जलकुंभी समस्या के समाधान हेतु शहरवासियों ने किया श्रमदान

रीवा। शहर के वार्ड 43 में धार्मिक स्थल चिरहुला मंदिर स्थित चिरहुला तालाब में जलकुंभी की समस्या को लेकर जनसहभागिता से श्रमदान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से लेकर 150 लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने मिलजुल कर तालाब से जलकुंभी निकाली, जिससे तालाब को साफ रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस श्रमदान अभियान में स्थानीय निवासियों, समाजसेवियों जनप्रतिधियों और पर्यावरण प्रेमियों ने एकजुट होकर काम किया। उन्होंने तालाब में फैली जलकुंभी को निकालने के लिए मेहनत की और तालाब को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। यह प्रक्रिया सतत रूप से अपनाई जाएगी और नियमित रूप से श्रमदान का आयोजन होता रहेगा, जब तक तालाब पूरी तरह से साफ नहीं हो जाता। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे भी उपस्थित रहे। स्वच्छता श्रमदान कर जनसहभागिता से सफाई हेतु विशेष अभियान चलाने की बात कही। आयुक्त ने तालाब की साफ-सफाई के महत्व को रेखांकित करते हुए रीवा वासियों से अपील की कि वे भी इस अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करें। आयुक्त ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान थीम को नित अभ्यास में लाया जाएगा। जल स्त्रोतों के साफ-सफाई अभियान को स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए एक सस्टेंबल मोड अपनाया जाएगा।

इसके लिए एक कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार नियमित रूप से साफ-सफाई की जाएगी। इस अवसर पर निगम आयुक्त ने कहा, स्वच्छता सिर्फ एक दिन का काम नहीं है, यह एक सतत प्रक्रिया है। हमें मिलकर इसे अपनी आदत में शामिल करना होगा और अपने शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना होगा। उन्होंने रीवा वासियों से आग्रह किया कि वे इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करें और इस अभियान को सफल बनाएं। इस अवसर में नगर निगम की टीम,एसडीईआरएफ टीम, सामाजिक संगठन, एसबीएम एवं आईईसी टीम, स्थानीय रहवासी द्वारा जनसहभागिता से श्रमदान किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने रौसर में कुदुलिया नवीन मार्ग के किनारे किया वृक्षारोपण

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाएं और इसमें सभी की सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग व गर्मी से निजात दिलाने में पेड़ों से प्राण वायु मिलती है। श्री शुक्ल ने रौसर-कुदुलिया नवीन मार्ग के किनारे पौधारोपण एवं प्लांट एडॉप्शन कैंपेन कार्यक्रम में वृक्षारोपण किया। इस दौरान सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अच्छी बात है कि नई सड़क के किनारे वृक्षारोपण किया जा रहा है। सड़कों के किनारे वृक्ष लगने से सड़क की खूबसूरती भी बढ़ती है और हरीतिमा भी आती है। उन्होंने कहा कि गांव में सड़कों के बन जाने से आर्थिक विकास तेजी से होने लगता है। ग्राम वासियों की जिम्मेदारी है कि वह पौधे लगाए तथा उनकी सुरक्षा भी करें क्योंकि यह हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत ही जरूरी है। उन्होंने नवीन सड़क के शेष निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि पूर्व काल में सड़कों के किनारे फलदार एवं छायादार पौधों से छाया और फल मिलते थे। अब पेड़ हमें सांस लेने के माध्यम बन गए हैं, क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग व गर्मी बढ़ गई है। उन्होंने आने वाली पीढ़ी के लिए पेड़ लगाकर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने की ग्राम वासियों से अपेक्षा की। इस अवसर पर बताया गया कि वन विभाग द्वारा रीवा शहर को हरा भरा बनाने का उप मुख्यमंत्री जी का संकल्प पूरा करने के लिए 25 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं।

लायंस क्लब की सेवा भावना अनुकरणीय है : शुक्ल

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि लायंस क्लब की सेवा भावना अनुकरणीय है। जिससे प्रेरणा लेकर अन्य सामाजिक संगठन समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लायंस क्लब रीवा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

लायंस क्लब के शपथ ग्रहण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि लायंस क्लब का नाम लेते ही मन मस्तिष्क में संस्था की सेवा भावना की छवि आती है। इस क्लब का गौरवशाली इतिहास रहा है। कोविड काल के अतिरिक्त अन्य आपदा समय में क्लब ने पीड़ित मानवता की सेवा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस संस्था की सेवा भाव ही आइकॉन है। श्री शुक्ल ने लायंस क्लब के पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि रीवा एवं विंध्य को समृद्धशाली बनाने में सहभागी बने तथा नशे से युवा पीढ़ी को बचाने व इससे दूर रखने के लिए जागरूक करें। लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर क्लब के नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. यूबी सिंह सहित पदाधिकारियों ने शपथ ली। उप मुख्यमंत्री में नव निर्वाचित सदस्यों व पदाधिकारियों को बधाई देते हुए अपेक्षा की कि क्लब अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल होगा।

भाजपा करेगी मतदाताओं एवं कार्यकर्ताओं का अभिनंदन

रीवा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 14 जुलाई तक हर विधानसभा में मतदाताओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं का विधानसभा वार अभिनंदन समारोहआयोजित किया जाएगा जिसमें स्थानीय पोलिंग एजेंट मतदान टोली के अलावा विधानसभा में निवासरत पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बुलाए जाएंगे जिस संबंध में रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के आवास में प्रमुख पदाधिकारी की बैठक आयोजित कर कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा करअंतिम रूप दिया गया इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्रा ने विचार रखते हुए कहा कि आप सभी ने मेहनत और लगन के साथ तीसरी बार रीवा में कमल खिलाने का काम किया है जिसके लिए सभी मतदाताओं के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं का मैं अभिनंदन और आभार व्यक्त करता हूं गांव का वह मतदाता जो कमल को पहचान कर मोदी जी और भाजपा का सहयोग दिया है उसके बीच हमें जाकर उसका भी अभिनंदन करना ऐसे लोगों को भी अभिनंदन समारोह में लेकर आए जो समाज के अंतिम छोर में खड़े हैं उनको भी सम्मानित करें उनका भी मान बढ़ा बैठक कोमऊगंज भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि रीवा लोकसभा क्षेत्र में पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय के लिए हर मतदाता का अभिनंदन करना हम सब का प्रथम कर्तव्यहै मतदाता और कार्यकर्ताओं का अभिनंदन कार्यक्रम पार्टी नेनिर्धारित किया है उसे पूर्णता सफल बनाने की जिम्मेदारी आप सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी की है जिस तरह से अपने चुनाव में मेहनत की है इस तरह से इस अभिनंदन समारोह को भी सफल बनाने में लगे और सफल बनाएंजिसके लिए विधानसभा वार्ड यह आयोजन हो रहे हैं सभी मंडल अध्यक्ष और पदाधिकारी ज्यादा से ज्यादा अपने उन कार्यकर्ताओं को के बीच जाएं जो

चुनाव के समय तो कड़ी मेहनत करते हैं परंतु फिर वह अपने कामों में व्यस्त हो जाते हैं और ऐसे ही कार्यकर्ताओं को चुनकर विधानसभा सम्मेलन में लाएं और उनका सम्मान के माध्यम से आभार ज्ञापित करेंरीवा लोकसभा संयोजक प्रबोद व्यास ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए मिली ऐतिहासिक जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को अधिकारियों का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर श्रीमती संतोष सिंह सिसोदिया कमलेश सचदेवा नारायण मिश्रा अनिल पटेल राजेंद्र त्रिपाठी योगेंद्र शुक्ला शिवम द्विवेदी शेखर सचदेवा प्रकाश सोनी चिंटू राजीव खंडेलवाल रमाशंकर गुप्ता जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष एवं विधानसभा संयोजक उपस्थित रहे। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के आवास पर शनिवार को मीशा बंदी लोकतंत्र सेनानियों का अभिनंदन समारोह आयोजित कर मीशाबंधियों को शाल श्रीफल एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के त्याग और संघर्ष के करण प्रजातंत्र बचा हुआ है जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने प्रजातंत्र संविधान को समाप्त करने का पाप किया था उसे लोकतंत्र सेनानियों ने अपना सर्वस्व कुर्बान कर विषम परिस्थितियों में कष्ट सहकर अपना घर परिवार तबाह कर प्रजातंत्र को बचायाहै कांग्रेस पार्टी ने देश के संविधान को छलनी करने का काम किया सबसे ज्यादा संशोधन कांग्रेस पार्टी ने किया है आज कांग्रेसी संविधान के दुहाई दे रहे हैं। संविधान की प्रतिया लहरा रहे हैं परंतु देश की जनता युवा पीढ़ी कांग्रेस के कथनी और करनी का अंतर अच्छी तरह से जानती है कांग्रेस पार्टी झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करके राजनीतिक रोटी सेंकना चाहती सम्मान समारोह में लोकतंत्र सेनानी रामेश्वर सोनी दुर्गेश दुबे सांसद जनार्दन मिश्रा राजेंद्रताम्रकार वैष्णवी त्रिपाठी रामनारायण पांडे सुभाष श्रीवास्तव अर्जुन सिंह चौहान बसंत दुबे को सम्मानित किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी मऊगंज जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा ने खटकारी मंडल के बूथ क्रमांक 83 में मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुना इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने एक पेड़ मां के सम्मान में लगाने का अपील की है मऊगंज विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं से एक-एक पेड़लगाने की अपील करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के लिए वरदान साबित होगा हमें प्रकृति के संरक्षण की जिम्मेदारी को भी उठाने के लिए काम करना होगा प्रधानमंत्री जी ने मां की बात में जिन-जिन बिंदुओं को पहलुओं को छुआ है उसे पूरे करने की जिम्मेदारी हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की है इस अवसर पर महामंत्री डॉक्टर सैलानी चंद्रकांत मुद्रिका पटेल मुरलीधर द्विवेदी विवेक मिश्रा राघवेंद्र पटेल रामदास शहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833